MARUTI SUZUKI ARENA

शानदार कार्स. दमदार ऑफ़र्स.

घर लाएँ अपनी पसंदीदा मारुति सुज़ुकी एरीना कार और पाएँ शानदार फाइनेंस विकल्प.

कम डाउन पेमेंट^

100% तक ऑन-रोड फंडिंग^

बड़ी बचत

CELERIO ₹50 100*
DZIRE ₹19 100*
SWIFT ₹30 100*
WAGONR ₹54 100*
S-PRESSO ₹14 100*

ऑफर सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

CELERIO SWIFT S-PRESSO DZIRE WAGONR

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: AJMER: RELAN MOTORS: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058794032. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL: CALL: 02969-222438, 9680059999. RANIWARA: CALL: 9116124669, 9929244403. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on Celerio (Petrol & AGS- all variants), Swift (Petrol & AGS- all variants), S.Presso (Petrol & AGS- all variants), Dzire (Petrol & AGS- all variants), and WagonR (1.0L Petrol & AGS- all variants). ^Finance scheme details mentioned in the Advertisement are at the sole discretion of the financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. Credit at the sole discretion of the bank. Up to 100% on-road funding is provided by select financiers only. **Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th June 2022

राष्ट्रदूत
अजमेर
जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
Rashtradoot
अजमेर, मंगलवार 28 जून, 2022
epaper.rashtradoot.com

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

यह कैसा लोकतंत्र?

"भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है", यह वाक्य हम विश्व के लगभग सभी मंचों पर भारतीय नेताओं से सुनते रहते हैं। इसके कारण हम भारतीय, गौरव का अनुभव भी करते हैं।

स्वतंत्रता के पश्चात, देश की जनता ने इसे सही सिद्ध भी किया है। उदाहरणार्थ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में देश में आपातकाल लागू किया तो एक बार ऐसा लगा कि शायद देश में लोकतंत्र सदैव के लिए विदा हो गया है, किंतु मार्च 1977 में हुए चुनावों ने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र न केवल जीवित है अपितु सुदृढ भी है। जनता ने इसका परिचय सर्व शक्तिशाली इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को हराकर, नव गठित जनता पार्टी को भारी बहुमत से जिता कर दिया।

इसके पश्चात समय-समय पर कई ऐसी घटनाएं हुई जो लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत थीं, जिससे यह लगा कि भारत में वास्तविक लोकतंत्र को खतरा उत्पन्न हो रहा है। सत्तर के दशक में निर्वाचित विधायकों ने हरियाणा में जिस तेजी से बार-बार दल बदले, उसे 'आया राम, गया राम' का नाम दिया गया। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए 1985 में दलबदल विरोधी कानून बनाया गया। इसके अंतर्गत यह प्रावधान किया गया कि कोई भी निर्वाचित सदस्य दल बदलने पर अपनी सदस्यता खो देगा। यदि किसी विधायक दल के एक तिहाई सदस्यों के एक साथ दल बदलने पर उसकी सदस्यता बनी रहती थी। इससे भी जब दल बदल की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा तो बाद में इसमें संशोधन कर एक तिहाई की अनिवार्यता को बढ़ाकर दो तिहाई कर दिया गया। यह लिखने की आवश्यकता नहीं है कि दल बदल किसी वैचारिक आधार पर नहीं होकर केवल मात्र पद और धन के लोभ में ही होता है।

गत सप्ताह जो घटनाक्रम महाराष्ट्र में चला, उसने तो एक बार पुन: भारतीय लोकतंत्र को उपहास का पात्र बना दिया है। ऐसा कहने का आधार क्या है यह निम्न विवेचन से स्पष्ट हो जाएगा।

2019 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना का चुनाव पूर्ण समझौता था। उन्होंने आपस में सीटों का बंटवारा किया था ।इन दोनों दलों को मिलाकर बहुमत से कहीं अधिक सीटें प्राप्त हुईं। जनादेश स्पष्ट रूप से भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के गठबंधन को मिला था। चुनाव के परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा के कारण बहुत खींचतान चली। भाजपा देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहती थी, जबकि शिवसेना उद्धव ठाकरे को। शिवसेना का कहना था कि ऐसा आश्वासन भाजपा द्वारा उन्हें दिया गया था।

जब भाजपा ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने से इन्कार कर दिया, तो उसने राष्ट्रवादी काँग्रेस के अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद का प्रलोभन देकर, देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ सुबह होने से पहले ही राजभवन में दिलवा दी। ऐसी न ही चलनी थी और न ही चल पाई। यह तीन दिन में ही गिर गई और उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रवादी काँग्रेस और कॉग्रोस के साथ मिलकर महा विकास संगठन बनाकर सरकार बना ली।

फलस्वरुप, शिवसेना ने भाजपा से अलग होने का निर्णय किया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ मिलकर महा विकास अघाडी गठबंधन बनाया। यह सर्वविदित है के भाजपा और शिवसेना का गठबंधन कई वर्षों से महाराष्ट्र में बना हुआ था उन्होंने साथ ही कई चुनाव लड़कर विजय भी प्राप्त की थी। जनता ने भी इसी गठबंधन के पक्ष में जनादेश दिया था जिसे बदलते हुए एक अवसरवादी राजनीति का परिचय देते हुए महा विकास आघाडी का गठबंधन हुआ और महाराष्ट्र में सरकार बनी। निश्चित रूप से, महाराष्ट्र के मतदाताओं ने स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया होगा।

कहा जाता है, इतिहास अपने आप को दोहराता है। यही कहावत महाराष्ट्र के मामले में सटीक बैठती है जो काम शिवसेना ने भाजपा के साथ किया था, वही काम अब भाजपा, शिवसेना के साथ कर रही है।

शिवसेना के नंबर दो के नेता एकनाथ शिंदे ने लगभग 40 शिवसेना विधायकों के साथ उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह करते हुए अलग गुट बना लिया। एक नाथ शिंदे गत 8 दिन से मीडिया में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पहले ये विधायक सूरत के एक पांच सितारा होटल में ठहरे और गत 7 दिन से गुवाहाटी के पांच सितारा होटल में ठहरे हुए हैं। इनकी एक एक गतिविधि पर मीडिया द्वारा ऐसी नजर रखी जा रही है और 24 घण्टे इनसे संबंधित समाचारों को ऐसे प्रसारित किया जा रहा है जैसे देश में इसके अलावा कोई खबर है ही नहीं।

विधायकों को अपनी प्रतिबद्धता बदलने का अवसर दल बदल कानून की कमियों के कारण मिलता है। फिलहाल यह मामला कानूनी दांवपेच में फंसा हुआ है, एक दृष्टिकोण यह है के दो तिहाई से अधिक अलग हुए विधायक तभी अयोग्यता से बच सकते हैं जब वह किसी दल में विलय हो जाएं।

लोकतंत्र, "जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा" किए गए शासन का नाम है, किंतु नेतागण, जिस प्रकार चुने जाने के बाद, अपनी राजनीति प्रतिबद्धता गिरगिट से भी तेज गति से बदलते हैं, उसे देखकर तो ऐसा लगता है कि लोकतंत्र केवल नाम के लिए है। अब उनका उद्देश्य केवल मात्र एक है, येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहना अथवा सत्ता प्राप्त करना। फिर चाहे, इसके लिए उसे जनता के साथ विश्वासघात ही क्यों न करना पड़े।

विधायकों को अपनी प्रतिबद्धता बदलने का अवसर दल बदल कानून की कमियों के कारण मिलता है। फिलहाल यह मामला कानूनी दांवपेच में फंसा हुआ है, एक दृष्टिकोण यह है के दो तिहाई से अधिक अलग हुए विधायक तभी अयोग्यता से बच सकते हैं जब वह किसी दल में विलय हो जाएं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विधायकों ने अभी तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। इसी कारण इनमें से 16 विधायकों को दल से निष्कासित करने का निर्णय शिवसेना ने लिया है। इस आधार पर विधानसभा के उपाध्यक्ष ने इन विधायकों को अयोग्य घोषित करने हेतु नोटिस दिया है। इस नोटिस को एकनाथ शिंदे के गुट द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। कानूनी रूप से तो इसका निर्णय उच्चतम न्यायालय कर देगा किंतु कुछ प्रश्न इसके बाद भी अनुत्तिरत ही रहेंगे।

पहला, विधायकों को पांच या सात सितारा होटलों में बंधक करके रखने की क्या आवश्यकता है? क्या उनके विधायक कोई वस्तु हैं, जिन्हें कोई बोली लगाकर खरीद कर ले जाएगा? विधायकों एवं दलों के आचरण से तो कुछ-कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है कि उन्होंने स्वयं को एक प्रकार से मंडी में खड़ा कर रखा है कि कोई भी आए और अधिकतम दाम लगाकर उन्हें ले जाए। क्या राजनीतिक दलों को अपने विधायकों पर बिल्कुल विश्वास नहीं है जो उन्हें बड़े-बड़े होटलों में बंदी बनाकर रखा गया है। कुछ-कुछ इसी प्रकार का घटनाक्रम हमने राजस्थान में भी देखा था, जब सचिन पायलट ने कुछ समर्थक विधायकों के साथ मिलकर कांग्रेस सरकार को एक प्रकार से अस्थिर कर दिया था। उस समय भी, कई दिनों तक कांग्रेस विधायक एक बड़े पांच सितारा होटल में कई दिनों तक रहे थे। अब यही क्रम महाराष्ट्र के विधायकों द्वारा दोहराया जा रहा है।

दूसरा, विधायकों को आलीशान होटलों में कई दिनों तक ठहराने का खर्चा कौन उठा रहा है? क्या इसे विधायकों को प्रलोभन देना मानकर, निर्वाचन आयोग इसका संज्ञान नहीं ले सकता?

तीसरा, असमंजस की इस पूरी अवधि में जन हित के विभिन्न कार्य लंबित रहने से जनता को जो परेशानी हुई, उसका जिम्मेदार कौन है? इस अवधि में राज्य की शासन व्यवस्था ठहर सी जाती है क्योंकि कोई भी नीतिगत निर्णय मंत्रियों द्वारा नहीं लिए जाते हैं। उनका पूरा ध्यान केवल अपने विधायकों को पक्ष में बनाए रखने पर रहता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में, शिवसेना के संजय रावत का यह बयान निंदनीय है कि गुवाहाटी से एकनाथ शिंदे के साथ वाले विधायकों की लाशें मुंबई आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि लाखों शिव सैनिक केवल उनके इशारे की प्रतीक्षा कर रहे हैं और वह किसी भी स्थिति तक जा सकते हैं। इसी उकसाने का ही परिणाम है कि महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर उग्र प्रदर्शन हुए जिनमे आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएँ हुईं। दोनों पक्षों के बयानों का स्तर बहुत नीचे चला गया है। इस पूरी आपाधापी में, लोक कल्याण एवं जनता द्वारा अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों में व्यक्त किए गए विश्वास का कहीं कोई नामों निशान नहीं दिखाई देता है।

होना तो यह चाहिए कि दल बदल कानून पर एक बार इन अनुभवों के आधार पर पुनर्विचार किया जाए एवं ऐसी व्यवस्था की जाए कि किसी व्यक्ति के उस दल के अनुशासन के बाहर जाने पर उस व्यक्ति की सदस्यता स्वत: ही समाप्त हो जाए। इसमें किसी प्रकार का अपवाद नहीं रखा जाय। यदि वह दल छोड़ना चाहे तो उसे दोबारा जनता द्वारा चुनकर आना होगा। जब सदस्यों की सदस्यता समाप्त होगी, तो कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि विधायक दलबदल करने से पहले सौ बार सोचेगा। हाँ, किसी विषय पर गुण-अवगुण के आधार अपने दल से अलग विचार रखने पर उसे दल बदल नहीं माना जाय। इससे सदनों में सदस्य गण दल के गुलामों की तरह व्यवहार करने को बाध्य नहीं होंगे। इस हेतु आवश्यक संशोधन कानून में किया जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों की इस विकृत मानसिकता का एक प्रमुख कारण यह भी है कि उनके लिए में आने का उद्देश्य जनता की सेवा नहीं अपितु स्वयं के लिए अकूत धन की व्यवस्था करना है ताकि पीढ़ियों तक का इन्तेजाम हो जाय।

अधिकांश जनप्रतिनिधियों के पास आय का कोई साधन न होने पर भी उनकी संपत्ति में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि कैसे हुई है, इसकी जांच करना असंभव नहीं है, किंतु सामान्यतय ऐसा होता दिखाई नहीं देता। जब कभी होता भी है तो उसका उद्देश्य केवल राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित या भयभीत कर अपने पक्ष में करने का होता है। हाल ही में ई डी, इनकम टैक्स और सीबीआई द्वारा की गई विभिन्न कार्यवाही से तो ऐसा ही प्रतीत होता है। आंकड़े बताते हैं कि इन एजेंसियों द्वारा गत सालों में की गई कार्रवाई में सफलता अंतत: केवल 1 प्रतिशत से भी कम में मिली है।

विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्य और व्यवहार को देखकर आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है – 'यह कैसा लोकतन्त्र?'

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

वय: संधि और हिंसा: वैज्ञानिक विश्लेषण की आवश्यकता है

मानव जीवन में वय की गति के अनुसार बड़े वैयक्तिक परिवर्तन आते हैं। वय: संधि को हम शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था में बांट सकते हैं।

उम्र की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में प्रवेश करने के बीच वाले वर्षों को वय:संधि कहते हैं और ये चंद वर्ष हर व्यक्ति के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने में सक्षम होते हैं क्योंकि विभिन्न हार्मोन्स के प्रभाव से व्यक्तित्व में बहुत संभावित बदलाव होते हैं। इतिहास को देखा जाए तो समाज के कालजयी मार्गदर्शकों ने बौद्धिकता की तरफ जाने के मार्ग भी बताए हैं पर व्यवहार में देखें तो हजारों खिठा पैदा कर चुकी है नस्ल आदम की है सब तस्लीम लेकिन आदमी फिर भी भटकता है।

(खिज़ = पथप्रदर्शक।
तस्लीम = स्वीकार)

पर बहुत सारे छद्म पथप्रदर्शक जीवन को भ्रष्ट भी करते हैं। आजकल चारों तरफ जो अर्थहीन उत्तेजना का माहौल बना हुआ है उसके पीछे कितने ही व्यक्तिगत स्वार्थ में लिप्त जनहित का चोगा पहने लोगों का ही तो हाथ है। दिशाहीनजन उत्तेजना सूखे जंगल में फैली आग जैसी होती है। वैश्विक स्तर के अध्ययन बताते हैं कि अपने कार्य स्थल पर मध्य वय के लोग ज्यादा हिंसा करते हैं। सामाजिक और राजनीतिक विष वमन भी ये लोग ही अधिक करते हैं। स्कूल में हिंसा किशोरावस्था के आखिरी और युवावस्था के प्रारंभिक समय में ज्यादा की जाती है। यही समूह आत्म हत्याओं में भी अग्रणी होता है। बाहरी हिंसा ही आंतरिक हिंसा की जननी होती है।

अमेरिका के अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार निर्दोष जन समूह पर गोलियों की बरसात करने वालों में 98 प्रतिशत पुरुष होते हैं जिनमें से 40 प्रतिशत 18 से 29 वर्ष के होते हैं और बाकी 30 प्रतिशत 30 से 45 वर्ष के पाए गए हैं। इनमें से अधिकतर अवसादठास्त और अकेलेपन के शिकार होते हैं और उनको समाज या राष्ट्र में अपना कोई स्थान नजर नहीं आता था इसलिए वे अपने हिसाब से दुनिया को समाप्त करने निकल पड़े थे।

मनोवैज्ञानिक पीटर लंगमन के अनुसार क्षत हुआ पुरुषत्व, असहाय होने का अहसास, शासकीय पक्षपात की अवधारणा आदि मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से कोई व्यक्ति अनजान और निर्दोषों की हत्या करता है। इसके अलावा जिन पुरुषों के जीवन में स्त्री का साथ नहीं होता है वे इस कारण अक्सर हिंसक हो जाते हैं। कुछ लोग महज प्रसिद्धि पाने के लिए भी हत्याएं करते हैं। कभी कभी फैंटेसी की दुनियां में पहुंचे लोग भी हत्यारे हो सकते हैं या फिर व्यापक स्तर पर हिंसा फैला सकते हैं। हिंसा के द्वारा वे इतिहास में स्थान बनाना चाहते हैं। पर इतिहास तो साधारणतम लोगों को याद करता है जैसे कबीर, रहीम, सूरदास, रैदास, बाल्मीकि, चोखामेला, नामदेव आदि। बाकी ऐतिहासिक पात्रों की याद समय समय पर जब तक सूरज चांद रहेगा टाइप नारे लगा कर दिलवाई जाती है।

डॉ. रामावतार शर्मा

सामाजिक सामंजस्य और संपर्क का अभाव, किन्ही बाहरी या अंदरूनी कारणों से बेचैनी, भविष्य का अंधकारमय होना आदि भी किसी व्यक्ति को हिंसक बनने का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा हर हिंसक हत्यारे के पीछे तकरीबन सौ ऐसे लोग होते है जो किसी की हत्या करने की सोचते तो जरूर हैं पर उनका विवेक उन्हें ऐसा करने से रोक लेता है। पर बदलते माहौल में इन सौ में से कितने लोग हिंसा को अपनाएंगे यह एक विचारणीय विषय होना चाहिए। याद रखा जाय कि हिंसा को रोकना ही एक मात्र उपाय है। प्रतिहिंसा तो हिंसा को उर्वरक प्रदान करती है।

लोग अल्पकालीन उद्देश्य पूर्ति के लिए हिंसा का सहारा लेकर आगे बढ़ जाते हैं और पीछे रह जाती हैं तबाहियों की निशानियां जैसा कि कवि दुष्यंत ने कहा था :–

तुम क्या जानो इस आंधी में, कई घरौंदे टूट गए इन असफल निर्मितियों के शव, कल पहचाने जायेंगे।

हिंसा को नियंत्रित करने में हमें विज्ञान का सहारा लेना चाहिए। अमेरिका के मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर जोनाथन मेट्जे का मानना है कि हमें विकसित होते मानव मन का और अधिक अध्ययन करना चाहिए। एक अति महत्वपूर्ण अध्ययन में पता चला है कि हमारे मस्तिष्क का एक भाग होता है जिसे प्री फ्रंटल लोब कहा जाता है। यह हिस्सा निर्णय लेने और उसके परिणामों के बारे में विश्लेषण करता है। इस भाग को पूर्ण विकसित होने में पच्चीस वर्ष लगते हैं यानि पच्चीस साल तक किसी मनुष्य को सामान्य परिस्थितियों में न तो हथियार देना चाहिए, ना विवाह करना चाहिए, न कार और मोटरसाइकिल देनी चाहिए और ना ही वोट देने का अधिकार। उपरोक्त विषयों का गहन प्रशिक्षण तो दिया जा सकता है पर अधिकार पच्चीस साल की उम्र में ही मिलना चाहिए। देखा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादातर वाहन चालक युवक ही होते हैं जिन्हे बिना किसी प्रशिक्षण के 18 से 20 वर्ष की उम्र में ड्राइविंग लाइसेंस मिल गया होता है। ध्यान रहे कि कड़े अनुशासन के बावजूद सेना भी अपने सैनिकों को शांति काल में हथियार नहीं रखने देती है।

हालांकि पच्चीस वर्ष की उम्र के बाद वाहन चलाने के अधिकार या मतदान आदि की बात पर बहुमत विरोध जताता नजर आएगा पर सड़कों पर लहराती मोटरसाइकिल, तीव्र गति से दौड़ती कारें, एक तरफा होते मतदान, वैवाहिक हिंसा आदि देखने पर उपरोक्त बातें सार्थक लगेंगी। चीन तथा पश्चिमी और खाड़ी पार के देशों में वाहन चालन का अधिकार जीवन की एक उपलब्धि है, भारत की तरह रिश्वत बटोरने का जरिया नहीं। मानव बम ज्यादातर बालक या युवक होते हैं। हिंसक लोग छोटे बच्चों को केंद्र में रख कर ही पूरी धरती को अशांत करने में लगे रहते हैं। गीली मिट्टी ही मनचाहे रूप में डाली जा सकती है। हर देश का शासक अक्सर बच्चों को संबोधित और बाल अभिमान को पोषित करता है ताकि भविष्य में अनुपालकों की संख्या में वृद्धि हो सके।

अमेरिका के हत्या कांडों के शोधकर्ता जिलियन पीटरसन और जेम्स डेंसले ने अपनी पूरी उम्र स्कूलों में होने वाली हिंसा के अध्ययन को समर्पित की है। उनके निष्कर्ष के आधार पर तरूणावस्था और युवावस्था की वय:संधि और फिर कुछ युवावस्था का आखिरी दौर एक व्यक्ति का बड़ा महत्वपूर्ण समय होता है। समाज और सरकार यह व्यवस्था स्थापित करे कि जीवन के पहले पच्चीस साल तक शिक्षा का आधार स्वविवेक विकास होना चाहिए वरना यहां बिखरी हुई लाशें, वहां कुछ हैं मकां टूटे किन्ही की किस्मतें फूटी, कई सपने हुए झूठे।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

देश के जज़्बातों की पहली किरण : अयोध्या

देश में पिछले लगभग 1000-1200 वर्षों में जो हो रहा था, इन दिनों इसके ठीक विपरीत अयोध्या में जो चल रहा है, वह ऐतिहासिक है, एक नये भारत की शुरूवात है। अयोध्या में श्री राम का मंदिर निर्माण एक सामान्य मंदिर निर्माण की घटना नहीं है। एक क्रान्तिकारी परिवर्तन है। इसमें इतिहास को पलटने की गुंज है। सोया हुआ सनातन आज चैतन्य है, जागृत है। वो वक्त कुछ अलग था, यह वक्त कुछ अलग है।

इतिहास गवाह है पिछले बारह सौ वर्षों में भारत पर ज्यादातर समय मुगल शासकों ने राज किया। जिनका धन दौलत की लूटपाट एवं जबरन धर्म परिवर्तन के साथ-साथ मंदिरों को ध्वस्त करके, वहीं पर मस्जिद बनाना उनका मुख्य एजेण्डा होता था। परिणामस्वरूप देश में मंदिर ध्वस्त होते गये, मस्जिदें बनती गयी। मुगल शासकों का कारवां तोड़-फोड़ और धर्म परिवर्तन की पटरी पर आगे बढ़ता गया। हिन्दू संस्कृति एवं आस्था के केन्द्र मुगल शासकों की ज्यादती के शिकार होते गये। अंग्रेजों के राज में मंदिरों का ध्वस्त होना जरूर बन्द हो गया था। परन्तु अपने ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार में पूरे लगे हुए रहे। बाहुबल के स्थान पर धनबल के आधार पर धर्म परिवर्तन का कार्य करते रहे और आज भी कर रहे है। देश का पूर्वांचल एवं जनजाति क्षेत्र इसके जीवन्त उदाहरण है। आजादी के बाद भी ईसाई मशीनरीज़ विद्यालयों के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी को राष्ट्रीयता और राष्ट्र-प्रेम से शून्य बनाने का काम षड़यंत्र पूर्वक परन्तु सम्मानित तरीके से कर रही है।

हमारा मानना है कि कायदे से तो 1947 में धर्म के आधार पर पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही भारत के समस्त मंदिर, मस्जिदों से मुक्त हो जाने चाहिये थे। किसी संसद एवं न्यायालय की आवश्यकता नहीं रहनी चाहिये थी। परन्तु धर्म निरपेक्षता के चोले एवं अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या ने देश को अशान्ति की भट्टी में झोंक दिया।

हिन्दु बहुसंख्या के आधार पर हिन्दुस्तान बनने पर हिन्दुओं को एक राहत जरूर मिली कि मंदिरों की तोड़-फोड़ बन्द हो गयी। परन्तु दुखद पक्ष यह रहा कि देश में 70 वर्षो की आजादी के बाद भी एक भी ध्वस्त मंदिर के पुर्ननिर्माण का कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के पश्चात् अयोध्या में मंदिर निर्माण के प्रथम अध्याय का शुभारम्भ हुआ। इसलिए यह सामान्य नहीं, एक ऐतिहासिक एवं गौरवशाली शुभारम्भ है। इस सम्बन्ध में दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मंदिरों को ध्वस्त कर के मस्जिद निर्माण का निर्णय तत्कालीन राजाओं ने किया। किसी न्यायालय का निर्णय नहीं था।

डॉ. कैलाश सोडाणी

आजादी के अमृत महोत्सव तक की यात्रा पूर्ण करने तक भी इस प्रकार का निर्णय करने की ताकत आज के राजा के पास नहीं है। राजनीति विज्ञान की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है कि तलवार की नोक के बल पर बने बादशाहों से तो प्रजातांत्रिक व्यवस्था से निर्वाचित बादशाह ज्यादा ताकतवर होता है। धरातल पर इस स्थिति का देश को इन्तजार है।

अनुभव साक्षी है कि न्यायालयों के भरोसे तो मंदिरों के पुर्ननिर्माण का कार्य सैकड़ों वर्षो तक भी सम्भव नहीं है। इस तकलीफ का कारण यह है कि देश के माननीय न्यायाधीश प्राय: कानून की किताब पढ़ने के बजाय सुबह का अखबार पढ़ कर निर्णय लिखवातें है। सर्वोच्च न्यायालय को इसलिए अयोध्या में राममंदिर निर्माण के निर्णय में इतना समय लग गया। आज निर्णय होना और अब तक नहीं होना कारण स्पष्ट है। मैं अभी हाल ही में अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रबन्ध मण्डल की बैठक में भाग लेने गया, उस समय अयोध्या का भी अवसर मिला। रामलला के दर्शन लाभ के साथ-साथ यह जानकर अत्यन्त हर्ष का अनुभव हुआ कि मंदिर की भव्यता के अनुरूप ही पूरी अयोध्या नगरी को आकर्षक बनाने का काम बड़े जोर-शोर से चल रहा है। रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट को सैकड़ों करोड़ रूपये के बजट से अत्याधुनिक बनाये जा रहे है। सरयू नदी के किनारों को अहमदाबाद के साबरमती के रिवर फ्रन्ट की भाँति आकर्षक बनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति, इतिहास, आयुर्वेद, योगा आदि पर शोध हेतु वैदिक विश्वविद्यालय खड़ा किया जा रहा है।

कुल मिलाकर विज़न यह है कि भव्य राम मंदिर के साथ-साथ अयोध्या को देश और दुनियाँ में एक श्रेष्ठ एवं आधुनिक धार्मिक तथा पर्यटन नगरी के रूप में स्थापित किया जावें। अयोध्या के कायाकल्प से पूरे शहर में हर्ष और उल्लास का वातावरण है। नगरवासियों के चहरे के भावों से ऐसा लगता है जैसे एक लम्बे वनवास के पश्चात् साक्षात भगवान श्री राम पुन: अयोध्या पधार रहे है।

–डॉ. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति,
महर्षि दयानन्द सरस्वती
विश्वविद्यालय, अजमेर

आबकारी-पुलिस विभाग की लापरवाही से पुरातत्व स्थल शराबियों का अड्डा बना

चौरु/उनियारा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हाथी भाटा आबकारी-पुलिस विभाग की मेहरबानी से सुरा प्रेमियों का अड्डा बना हुआ है। जिसके चलते हुए सुरा प्रेमी खुलेआम पर्यटन स्थल पर शराब का सेवन कर मौज कर रहे हैं। वहीं पुलिस प्रशासन एवं आबकारी विभाग की कथित अनदेखी एवं उदासीनता के कारण यहा पर सुरा प्रेमियों की मौज हो गई है तथा हाथी भाटा की प्रतिमा के पास ही शराबियों द्वारा खुलेआम शराब की पार्टियां की जा रही है। जिसके कारण पर्यटकों के सामने गंभीर समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।

आश्चर्य जनक बात तो यह है कि हाथी भाटा स्थल के मुख्य गेट से महज लगभग एक सौ फिट की दूरी पर ही आबकारी विभाग के अधिकारियों की मेहरबानी से शराब की दुकान संचालित है। सुरा प्रेमी शराब की दुकान से शराब लेते है और मजे से पर्यटक स्थल पर बैठकर शराब की पार्टियां खुल्लेआम करते हैं ।जिन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। पुलिस प्रशासन भी इनके खिलाफ

स्थल के मुख्य गेट से महज सौ फीट की दूरी पर ही शराब की दुकान संचालित।

कार्रवाई करने के बजाय हाथ पर हाथ धरे मूकदर्शक बना हुआ है। इससे पर्यटक स्थल पर आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार पर्यटक स्थल पर घूमने के लिए आने वाले पर्यटक शराबियों के पार्टियों को देखकर गेट के पास से ही बाहर वापस चले जाते हैं। यह बड़ी दुविधा एवं विडंबना है कि जिले का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल आज शराबियों का अड्डा बन गया है और पर्यटकों को बढ़ावा देने के दावे करने वालों पर भी आज सवालियां निशान उठते नजर आ रहे हैं। फिर भी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं?

साइकिल से 26 दिन में 2500 किमी. का सफर तय कर घर लौटा विनीत

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के एक युवा ने 26 दिनों में 2500 किलोमीटर की साइकिल यात्रा करके करीब पांच राज्यों के विद्यार्थियों को खेलों में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का संदेश दिया है। सोमवार सुबह यह युवा झुंझुनूं पहुंचा तो उसका स्वागत किया गया। दरअसल इंडाली गांव का रहने वाला विनीत भालोठिया ओडिसा के भूवनेश्वर की नाइजर कॉलेज में रिसर्च स्कॉलर है। साइकलिंग करना उसका शौक है।

इस बार उसने इस शौक को संदेश में बदलने के लिए तय किया कि वह अपने घर, यानि कि झुंझुनूं साइकिल से जाएगा। इसके बाद उसने एक जून को अपनी साइकिल यात्रा शुरू की। जो पांच राज्यों भूवनेश्वर, झारखंड, बिहार, यूपी और राजस्थान होते हुए आज संपन्न हुई। विनीत का झुंझुनूं पहुंचने पर छात्र नेता पंकज गुर्जर के नेतृत्व में स्वर्ण जयंती स्टेडियम में स्वागत किया गया। इस मौके पर विनीत ने बताया कि वर्तमान माहौल में खेलों को शिक्षा की बजाय कम महत्वत्ता मिल रही है। इसलिए उसने शिक्षा के साथ-साथ खेलों को महत्व मिले। इसी संदेश के साथ यह यात्रा एक जून को शुरू कर 27 जून को पूरी की है। विनीत ने बताया कि इस दौरान ना केवल राह चलते लोगों से वह मिला और खेलों की महत्वत्ता बताई। बल्कि आईआईटी भूवनेश्वर, पटना, बीएचयू, कानपुर और धनबाद में भी पढ ने वाले युवाओं से रूबरू होकर उन्हें जाना कि वे सबसे अलग क्यों होते है और उनमें खेलों को लेकर क्या रूझान है। जो काफी अच्छा रहा।

विनीत के घर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

ढाबों पर काम करते मिले बच्चे:- विनीत ने बताया कि अब वे अगली राइड चाइल्ड लेबर को रोकने के लिए करेंगे। 2500 किलोमीटर की इस यात्रा के दौरान उसने कई ढाबों में बच्चों को काम करते देखा और उनसे बातचीत भी की। लगभग सभी बच्चों ने पढ ने की इच्छा जाहिर की। लेकिन किसी ना किसी मजबूरीवश वे पढ ने की उम्र में प्लेट साफ करते हुए मिले।

मौसम ने नहीं दिया साथ:- विनीत ने बताया कि मौसम ने दूसरे ही दिन अपना रंग दिखाया और साथ नहीं दिया। वह भूवनेश्वर से निकलकर भदरक ओडिसा ही पहुंचा था कि तेज बारिश आने लगी। लेकिन विनीत ने रोज 100 किमी. की राइडिंग जारी रखी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 28 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र सांय 7:05 तक, गंड योग प्रात: 7:47 तक, शकुनि करण प्रात: 5:53 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सांय 7:05 से सूर्योदय तक है। आज चतुरदशी में वृद्धि हुई हैं। आज पितृकार्य अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:05 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 2:13 तक। शुभ 3:53 से 5:37 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। शुभ कार्यों को टालना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सफल रहेंगे। नवीन कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

कुंभ
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 328 प्रभात अजमेर, मंगलवार 28 जून, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

अग्निपथ योजना के विरोध में एवं इस योजना को वापस लेने की मांग को लेकर कांग्रेस की टोंक इकाई ने डाक बंगले में स्थानीय विधायक एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व में एक दिवसीय सत्याग्रह का आयोजन किया। इस सत्याग्रह का आयोजन ए.आई.सी.सी. की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व अध्यक्ष राजीव गांधी के निर्देशानुसार किया गया था। सत्याग्रह में बड़ी संख्या में युवा वर्ग व कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्हें सचिन पायलट ने संबोधित किया।

'उन्होंने पहले भी मुझे नाकारा और निकम्मा कहा था लेकिन मैं उसका भी बुरा नहीं मानता'

सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में मंच से मेरे सब्र की तारीफ की थी। उनके इस बयान से किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको पॉज़िटिव रूप में लेना चाहिए

- **उन्होने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनावों में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस 21 सीटों पर सिमट गई थी, अगर एक विधायक और कम रहता तो नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। उसके बाद हमने विपक्ष में रहते हुए 5 साल खूब फील्ड में रगड़ाई खाई और उसी के दम पर फिर से हमारी सरकार सत्ता में लौटी।**
- **हमारा प्रयास यह है कि, जिन लोगों ने सरकार बनाने में अपना खून पसीना बहाया था उन लोगों को सत्ता और संगठन में सम्मान मिलना चाहिए।**

टोंक, 27 जून (निसं)। सचिन पायलट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दिए गए बयान के बाद अब पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सीएम गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। पायलट ने कहा कि "अशोक गहलोत मेरे लिए पिता तुल्य हैं, वे बुजुर्ग एवं अनुभवी हैं, उनकी बातों का मैं बुरा नहीं मानता हूं। उन्होंने पहले भी मुझे नाकारा और निकम्मा कहा था लेकिन मैं उसका भी बुरा नहीं मानता।"

सचिन पायलट ने आज टोंक में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि "कौन क्या कह रहा है इससे मुझे फर्क नहीं पड़ता। हमारा प्रयास यही है कि साल 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार कैसे बनाए। उन्होंने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस पार्टी 21 सीटों पर सिमट गई थी अगर एक विधायक और कम रहता तो नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। उसके बाद हमने विपक्ष में रहते हुए फिल्ड में 5 साल खूब रगड़ाई की और उसी के दम पर हमारी सरकार सत्ता में लौटी। हमारा प्रयास यही है कि जिन लोगों ने सरकार बनाने में अपना खून पसीना बहाया था, उन लोगों को सत्ता और संगठन में सम्मान मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने दिल्ली में मंच से मेरे सब्र की तारीफ की थी। उनके इस बयान से किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको एक पॉजिटिव रूप में लेना चाहिए। अगर किसी को तकलीफ हो रही है तो मैं क्या कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को परेशानी इतनी बढ़ गई है कि वह बोलते भी हैं तो इससे हमें फर्क नहीं पड़ता है।"

सचिन पायलट ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम लेते हुए कहा कि "गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्र में इसलिए मंत्री बन पाए क्योंकि हम सत्ता में होने के बावजूद उनके सामने लोकसभा का चुनाव हार गए। यह हमसे चूक हुई है अगर हम लोकसभा चुनाव में कामयाब हो जाते तो शेखावत केंद्र में मंत्री नहीं बन पाते।

पायलट ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी जोधपुर से चुनाव जीतेगी, जो चूक हमसे पहले हो गई थी इस बार वह चूक नहीं होगी और इस बार गजेंद्र सिंह को चुनाव हराएंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में सरकार गिराने की साजिश में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सचिन पायलट के आपस में मिले होने का आरोप लगाया था। जिला प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि इस अवसर पर संगठन जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेडी, विधानसभा पर्यवेक्षक राजेश चौधरी, जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, सभापति अली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस दिवालिया होने के कगार पर, 100 मिलियन डॉलर के कर्ज़ का ब्याज़ नहीं चुका पाया

भारत ने सबसे अमीर देशों के साथ मंच पर उसी दिन शिरकत की, जिस दिन वर्ष 2014 में रूस को जी-7 से निकाला गया था

- **रूस के वित्त मंत्री ने आनन फानन में स्पष्टीकरण दिया कि भुगतान में कोई चूक नहीं हुई है, देश के पास पर्याप्त रिज़र्व है, हालांकि अभी वह फ्रीज़ है।**
- **सोमवार को जब जी-7 की बैठक चल रही थी और बैठक में यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में पूर्ण समर्थन का एलान किया गया, तो तिलमिलाए रूस ने यूक्रेन पर और भी जबर्दस्त हमला बोला।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। भारत दुनिया के सर्वाधिक समृद्ध देशों की जमात में शामिल हो गया है, लेकिन इसी दिन रूस अपने विदेशी ऋणों के बकाया ब्याज के भुगतानों में चूक कर गया। उल्लेखनीय है कि रूस को वर्ष 2014 में ही विश्व के सर्वाधिक समृद्ध देशों के गुट से निष्कासित कर दिया गया था।

यह दो घटनाएं विश्व की बदलती व्यवस्था को विरोधाभासी रूप से सामने लाती है। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का कठोरता से पालन करने के बावजूद कई अन्य प्रतिस्पर्धियों पर भारी पड़ना शुरू हो गया है। कई वैश्विक व सामरिक घटनाक्रमों के बीच, सोमवार एक विलक्षण घटना का साक्षी बना।

बोल्शेविक क्रांति के बाद हुए प्रथत विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1918 के बाद से रूस ने अपने विदेशी ऋणों के भुगतान में पहली बार चूक की है।

रूस सौ मिलियन डॉलर ऋण के बकाया ब्याज का भुगतान करने में विफल हो गया, जो बाह्य भुगतान लेखा के आर्थिक दिवालिया होने का संकेत देता है। विदेशी ऋणों की अदायगी में अक्षमता की यह एक प्रतीकात्मक घटना है। रूस के केन्द्रीय बैंक के विदेशी विनिमय भण्डारोंमें 6 सौ बिलियन डॉलर से कम की रकम नहीं है, लेकिन उसका समूचा विदेशी मुद्रा भण्डार पश्चिमी देशों के बैंकां में और वैस्टर्न ट्रेज़री बॉण्ड्स के रूप में है, जिसे फ्रीज़ किया जा चुका है। परिणाम स्वरूप रूस की अपने ही फण्ड्स तक पहुंच नहीं है और ऋणों का ब्याज अदा ना करने को लकर उसे अपमानित होना पड़ा।

रूस के वित्त मंत्री ने तुरन्त प्रभाव से स्पष्ट कियाकि देश के पास पर्याप्त मात्रा में विदेशी मुद्रा भण्डार है, लेकिन वह सारा फ्रीज़ पड़ा है।

जर्मनी के बावेरियन जंगलों में स्थित एक भव्य किले में सर्वाधिक अमीर देशों की हुई शिखर वार्ता में इसी दिन इन देशों द्वारा भारत का सम्मान किया गया।

जर्मनी में जी-7 देशों की मीटिंग में भारत को जलवायु संरक्षण व अक्षुण्ण विकास पर आयोजित एक कॉन्फ्रैंस में संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। रूस ने एक उपेक्षापूर्ण मूड में इस दिन यूक्रेन पर जबर्दस्त बमबारी की, जबकि इस दौरान जी-7 देशों की मीटिंग चल रही थी जिसमें रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध प्रयासों को पूरा समर्थन व्यक्त किया जा रहा था।

रूस ने बदले की कार्रवाई में कई शहरों को तबाह कर दिया और यूक्रेन की राजधानी कीव के कई अर्पाटमैन्ट्स में मिसाइलें दागीं। बताया जाता है कि इसमें कई लोग मारे गए।

जी-7 देशों ने जब तक जरूरत पड़े तब तक के लिए यूक्रेन को अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई सहित सैन्य और वित्तीय सहयोग का वादा किया। अमेरिका ने यूक्रेन को 40 बिलियन डॉलर की सैन्य व वित्तीय मदद को मंजूरी दी है। इसने लॉंग रेंज मिसाइल्स जैसे वैपन सिस्टम शामिल हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि क्रीमिया पर आक्रमण के बाद रूस को वर्ष 2014 में जी-7 देशों के गुट से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद से वह दुनिया के सबसे अमीर देशों के बीच तुच्द बना हुआ है। रूस ने हमेशा से यूरोप का एक आंतरिक हिस्सा बनने का प्रयत्न किया था और जी-7 से निष्कासन ने उसके विचार को तगड़ा झटका दिया।

रूस से तेल खरीदने को लेकर जी-7 देशों से भारत के मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी जी-7, शिखर सम्मलेन की मेजबानी कर रहे जर्मनी के आमंत्रण पर वहां के दौरे पर हैं। सात देश, नामत: अमेरिका, यू.के., फ्रांस, इटली, जर्मनी, कैनेडा और जापान विश्व के मामलों और सतत विकास को लेकर प्रति वर्ष चर्चा करते हैं।

स्मरणीय है कि भारत ने पिछले सप्ताह ही चीन की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लिया था। ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक कमजोर अनौपचारिक ग्रुप है। इसकी वार्ता वर्चुअल हुई, लेकिन स्पष्ट था कि आक्रमण मुद्दे पर भारत की राय रूस और चीन की भांति जी-7 देशों के जैसी नहीं थी। भारत ने एक सार्वभौमिक राष्ट्र पर सैन्य हमले का विरोध किया था।

इस तरह से भारत को प्रतिद्वंदी कूटनीतिक एवं सामरिक गुटबंदी के बीच एक महत्वपूर्ण संतुलित भूमिका निभानी है और साथ ही अपने मुख्य राष्ट्रीय हितों का भी ध्यान रखना है।

पिता की सुप्रीम कोर्ट से गुहार

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। कश्मीर के मोहम्मद लतीफ माग्रे ने नवम्बर 2021 में हैदरपुरा में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए अपने बेटे के दफन शव को निकालने की मांग सोमवार को छोड़ दी।

उन्होंने 27 मई को एकल न्यायाधीश की बैंच द्वारा दी गई अनुमति पर रोक लगाने वाली जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की एक डिवीज़न बैंच

- **कश्मीरी पिता ने बेटे का दफन शव निकाले जाने की मांग छोड़ी, पर अंतिम संस्कार की अनुमति मांगी।**

के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

उनके वकील ने अदालत में कहा कि वह अब अपने बेटे का शव नहीं चाहते, जो उनकी पहली प्रार्थना थी, लेकिन उनकी दूसरी प्रार्थना के अनुसार उनके परिवार को अंतिम संस्कार करने की अनुमति दी जाए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे.बी. परदीवाल की बैंच ने उनसे कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नामांकन भरा

नामांकन पत्र भरते समय उनके एक तरफ एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार और दूसरी तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी खड़े नज़र आए

- **इस अवसर पर कई अन्य दलों के नेता भी मौजूद थे, पर दो प्रमुख विपक्षी दलों, आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने प्रतिनिधि नहीं भेजे। शिव सेना का प्रतिनिधि भी नहीं था क्योंकि पार्टी महाराष्ट्र में आंतरिक संकट से जूझ रही है।**
- **सिन्हा को अंतिम क्षणों में बड़ा सहारा मिला, जब सोमवार सुबह तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चन्द्रशेखर राव ने सिन्हा को समर्थन देन की घोषणा की, हालांकि उन्होंने पूर्व में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया और कांग्रेस के साथ मंच साझा करने पर आपत्ति जताई थी।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। विपक्ष की एकता के प्रदर्शन के अन्तर्गत, संयुक्त विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवन्त सिन्हा ने आज कई विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन कर दिया। उनके एक तरफ नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार तो दूसरी बगल में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी खड़े हुये थे।

राहुल गांधी ने कहा, "हम समर्थन तो एक व्यक्ति का कर रहे हैं लेकिन वास्तविक लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा आर.एस.एस. की है, जो शोध और नफरत की विचारधारा है, तथा दूसरी विपक्षी दलों की है जो एकजुट होकर खड़े हुये हैं तथा जो करूणा की विचारधारा है।

इसी भावना को अपने शब्दों में दोहराते हुये, सिन्हा ने इस राष्ट्रपति चुनाव को "निरंकुश सत्ता की विचारधारा और स्वतंत्रता की विचारधारा के बीच की लड़ाई" बताया।

जब 84-वर्षीय पूर्व केन्द्रीय मंत्री यशवन्त सिन्हा ने 14 विपक्षी दलों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चर्च

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 27 जून। चर्चों और ईसाई पादरियों पर बढ़ रहे कथित हमलों के विरोध में दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि उक्त याचिका को 11 जुलाई के लिए लिस्ट किया जाए। कोर्ट के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद नियमित सुनवाई 11 जुलाई में ही शुरू होगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस

- **इन धार्मिक स्थलों पर आक्रमण से संबंधित याचिका को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद पहले दिन सुनेगा सुप्रीम कोर्ट।**

जे.बी. पार्दीवाला की एक बैंच सीनियर एडवोकेट कोलिन गोन्जाल्वेस द्वारा इसका जिक्र किए जाने पर सुनवाई को सहमत हो गई। उन्होंने शिकायत की कि देश में प्रत्येक माह औसतन 45 से 50 हिंसक हमले होते हैं। मई माह में ही इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंदे सेना को रिलीफ मिली सुप्रीम कोर्ट से

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र संकट पर अगली सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख दी

- **जस्टिस सूर्यकांत एवं जे.बी. पारदीवाला की अवकाश बैंच ने शिव सेना के बागी विधायकों की याचिका पर डिप्टी स्पीकर नरहरि ज़िरवाल को नोटिस जारी किया।**
- **बैंच ने ज़िरवाल से कहा कि आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लम्बित है, इसलिए जल्दबाजी करने के अवांछित नतीजे हो सकते हैं।**
- **कोर्ट ने एकनाथ शिंदे और अन्य बागियों से कहा है कि वे 12 जुलाई को डिप्टी स्पीकर के नोटिस का जवाब दें, गौरतलब है कि डिप्टी स्पीकर ने बागियों को नोटिस जारी कर सोमवार शाम तक जवाब मांगा था।**
- **सभी पार्टियों से 5 दिन में जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए कहा गया है और शिंदे कैम्प को इन जवाबी शपथ पत्रों पर जवाब देने के लिए तीन दिन का समय मिल गया है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। शिवसेना के विद्रोही विधायकों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा के उपसभापति नरहरि जिरवाल को नोटिस जारी किया, लेकिन साथ ही यहां के राजनीतिक संकट के किसी त्वरित समाधान से भी परहेज किया। कोर्ट ने केस की अगली सुनवाई 11 जुलाई को नियत की है, जब ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अदालती कामकाज शुरू होगा।

जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जे.बी. पार्दीवाला ने विधानसभा उपाध्यक्ष से कहा कि कि उनके खिलाफ एक अविश्वास प्रस्ताव पहले से ही लम्बित है, अत: किसी भी प्रकार की जल्दबाजी अंवाछित परिणामों को जन्म दे सकती है। उपाध्यक्ष सोमवार सायं 5.30 बजे विद्रोही विधायकों के मामलों पर निर्णय देने वाले थे।

ज़िरवाल शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता हैं तथा उनके पास उसी समय से विधानसभा स्पीकर अधिकार हैं, जब कांग्रेस नेता नाना पटोले, जो एम.वी.ए. गठबन्ध के सत्ता में आने के बाद विधानसभा अध्यक्ष चुने गये थे, न 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त कर दिये जाने के बाद, उन्होने स्पीकर पद से त्याग पत्र दे दिया था। इस प्रकार, कांग्रेस ने स्पीकर पद खाली कर दिया था। ज़िरवाल 4 फरवरी, 2021 से स्पीकर नामज़द कर दिये गये हैं।

एक अन्तरिम दिशा-निर्देश देते हुये, अदालत ने एकनाथ शिन्दे तथा अन्य विद्रोही विधायकों को 12 जुलाई शाम 5.30 बजे तक की मोहलत दे दी तथा कहा कि डिप्टी स्पीकर के डिसक्वालिफिकेशन नोटिसों पर रिट याचिका में अपने अधिकारों के पूर्वाग्रह बिना "अपना जवाब उस तिथि तक प्रस्तुत कर दें। ज्ञातव्य है कि इससे एक दिन पूर्व, अदालत इस मामले की सुनवाई कर लेगी। डिप्टी स्पीकर ने उन्हें अपना प्रस्तुत करने के लिये सोमवार सायं 5.30 तक का समय दिया था।

डिप्टी स्पीकर की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने अदालत को आश्वस्त किया कि इस प्रकरण की सुनवाई की अगली तारीख तक, विद्रोही विधायकों की डिसक्वालिफिकेशन पर कोई कार्यवाही भी की जायेगी।

सभी पक्षों को कह दिया गया है कि वे पाँच दिन के अन्दर काउन्टर ऐफिडेविड प्रस्तुत कर दें तथा शिन्दे गुट के जवाबी शपथ पत्र के जवाब देने के लिये तीन दिन का समय दिया गया है।

शीर्ष अदालत उस अर्जेन्ट याचिका की सुनवाई कर रही थी, विद्रोही नेता एकनाथ राव शम्भाजी शिन्दे ने डिप्टी स्पीकर के खिलाफ दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि उन्हें तथा 15 विद्रोही विधायकों को दलबदल-विरोधी कानून के तहत डिसक्वालिफाई करने के लिये शिवसेना द्वारा भेजे गये नोटिस पर कार्यवाही की जाये। अदालत के समक्ष एक और भी याचिका थी, जिसमें डिप्टी स्पीकर के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत शिन्दे के स्थान पर, शिवसेना के ग्रुप लीडर के रूप में अजय चौधरी को मान्यता प्रदान कर दी हैं।

शिन्दे तथा 15 अन्य विद्रोहियों को डिसक्वालिफाई करने के लिये भेजे गये नोटिसों को चुनौती देने के लिये शिन्दे तथा विद्रोही विधायकों द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर सेना के चीफ व्हिप सुनील प्रभु तथा विधायक दल के नेता अनिल चौधरी को भी नोटिस जारी कर दिये गये अदालत ने डिप्टी स्पीकर से यह भी कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अम्बानी को सिक्युरिटी क्यों'

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को केन्द्र सरकार की अपील पर चर्चा होगी, जो उद्योगपति मुकेश अम्बानी और उनके परिवार को ज़ैड प्लस सुरक्षा दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका के विरोध में दर्ज की गई है।

त्रिपुरा हाई कोर्अ ने एक जनहित याचिका स्वीकार की है जिनमें महाराष्ट्र सरकार द्वारा अम्बानी परिवार को सुरक्षा

- **त्रिपुरा हाई कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका स्वीकार की, जिसे केन्द्र ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।**

देने को चुनौती दी गई है। केन्द्र ने त्रिपुरा हाई कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। और कहा कि एक परिवार को सुरक्षा देना जनहित का मुद्दा नहीं है।

अपील में याचिकाकर्ता के स्थान को चुनौती दी गई है और कहा गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेसजनों ने 'अग्निपथ' योजना के विरोध में सत्याग्रह धरना-प्रदर्शन किया

सार्वजनिक स्थान के बजाय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सरकारी डाक बंगले में कार्यक्रम कर नियमों की उड़ाई धज्जियां

मालपुरा, (निसं)। केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई 'अग्निपथ' योजना को वापस लेने की मांग को लेकर सोमवार को मालपुरा में कांग्रेसजनों ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने का दबाव बना सार्वजनिक स्थान के बजाय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सरकारी डाक बंगले में सत्याग्रह व धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर नियम कायदों की खुले आम धज्जियां उड़ाई। नियम कायदों की खुलेआम अवहेलना के बावजूद ना तो पीडब्ल्यूडी और ना ही स्थानीय प्रशासन द्वारा उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई गई।

मालपुरा शहर के सरकारी डाक बंगले में कांग्रेस के बैनर तले धरना प्रदर्शन का आयोजन हुआ।

- गुटबाजी के चलते भीड़ जुटाने में आया पसीना
- डिफेंन्स एकेडमियों के युवाओं की भीड़ जुटा किया सत्याग्रह

नियमानुसार केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसद व विधायक सहित प्रशासनिक अधिकारियों के ठहरने एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से अल्प समय में चर्चा व मीटिंग के लिए डाक बंगलों का निर्माण करवाया गया था। इनकी मॉनिटरिंग का जिम्मा पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया। किसी भी पार्टी के बैनर तले आयोजित होने वाले धरना प्रदर्शन व सभा का आयोजन पब्लिक पैलेस पर ही किये जाने की प्रशासन द्वारा स्वीकृतियां जारी किये जाने का प्रावधान है लेकिन सोमवार को कांग्रेसजनों ने नियम कायदों को ताक में रख प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने का रौब दिखा सरकारी डाक बंगले में सभा व धरना प्रदर्शन सत्याग्रह का आयोजन किया।

मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी एक्सईएन आरडी मीणा से जानकारी चाहने पर उन्होंने डाक बंगले में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर पूर्ण अनभिज्ञता जता जेईएन पर जिम्मेदारी थोप पल्ला झाड लिया तो एईएन अमन चौधरी ने बताया कि कांग्रेस संगठन की ओर से डाक बंगले में सत्याग्रह व धरना प्रदर्शन किये जाने को लेकर कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है और ना ही डाक बंगले में पार्टी विशेष के बैनर तले इस प्रकार के आयोजनों की स्वीकृति दी जाती है। महज विकास कार्यों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की डाक बंगले में स्वीकृति दिये जाने का प्रावधान है। कांग्रेसजनों द्वारा आज नियमों के विपरीत जो कार्यक्रम किया उसकी जांच करवाई जायेगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर आयोजित सत्याग्रह कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष को भीड़ जुटाने में पसीना आने के बावजूद भीड़ नहीं जुटी तो शहर में संचालित डिफेंन्स एकेडमियों के युवाओं को कार्यक्रम स्थल पर बुलाया गया। यहां तक की सभास्थल पर मौजूद कई युवाओं से कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया कि कार्यक्रम व धरना प्रदर्शन किस बात को लेकर किया जा रहा है इससे हमे सरोकार नहीं हमे तो 300 रूपये देने की बात कहकर यहां बुलाया गया है। युवाओं की इन बातों से तथा कांग्रेसियों की कार्यक्रम से बनी दूरियों से संगठन में गुटबाजी तथा जमीनी स्तर पर मालपुरा ब्लॉक में कांग्रेस संगठन की कमजोरी खुलकर सामने आई है।

यू तो स्थानीय प्रशासन किसी भी धार्मिक व सामाजिक सहित राजनैतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर धारा 144 की पालना सहित कई प्रकार के नियम कायदों का हवाला दिया जाता है लेकिन सोमवार को सरकारी डाक बंगले में हुई नियमों की अनदेखी को लेकर प्रशासन की ओर से चुप्पी सादे रहना शहर मे चर्चा का विषय बना रहा।

वन विभाग के कर्मचारियों पर हमला कर अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली छुड़ाई

हमले में गंभीर घायल होने पर वनकर्मी यादराम जाट को जयपुर रैफर किया

पावटा, (निसं)। वन विभाग कोटपुतली रेंज अन्तर्गत भूरी भडाज क्षेत्र में शनिवार की सुबह गस्त के दौरान अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को नाका वन विभाग कर्मचारियों द्वारा पकड़ने पर माफिया वन विभाग कर्मचारियों पर हमला कर ट्रैक्टर ट्रॉलियों को छुड़ा कर ले गए। घटना में घायल कर्मचारी यादराम जाट को पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया गया। वहीं वन विभाग अधिकारियों द्वारा वन विभाग की टीम से झड़प करने और अवैध खनन में शामिल होने पर तीन नामजद व अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

घायल वनरक्षक यादराम।

वन विभाग कोतपुतली रेंजर सीताराम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बुचारा नाका प्रभारी हरदान गुर्जर, वनरक्षक खेताराम, वनरक्षक यादराम जाट, वनरक्षक भीरु सिंह जाट, पंप चालक बिहारीलाल वृक्षारोपण स्थल भूरी भडाज पहुंचे। वहां राम सिंह गुर्जर निवासी मोलाहेडा, मनोज गुर्जर निवासी मोलाहेडा, रामस्वरूप गुर्जर निवासी ढाणी इबडा वाली द्वारिकपुरा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भर रहे थे। उक्त व्यक्तियों के ट्रैक्टरों को पकड़कर वन विभाग की चौकी पर ले जा रहे थे।

तभी उक्त लोगों ने फोन कर 15-20 लोगों को घटनास्थल पर बुला लिया तथा सभी एक राय होकर वन विभाग कर्मचारियों पर पथराव व उनके साथ मारपीट कर ट्रैक्टर मय ट्रॉलियों को जबरदस्ती छुड़ा ले गए। वहीं वनरक्षक यादराम जाट को घसीटते हुए ले गए व एकांत में ले जाकर मारपीट की जिसमें वनरक्षक यादराम जाट गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग ड्राइवर कर्मचारियों पर हमला होते देख उनको अकेला छोड कर गाडी भगा ले गया जो कि संदेह की श्रेणी में आता है। इस दौरान वनकर्मियों ने प्रागपुरा थाने में इसकी सूचना दे दी। पुलिस को मौके पर पहुंचते ही अवैध खननकर्ता भाग गए।

कृषि उपज मंडी सचिव एवं दलाल 10 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

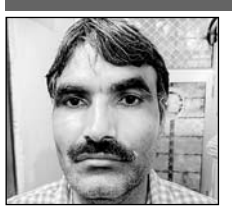

सचिव अमर चंद सैनी

गार्ड किशोर कुमार

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर ग्रामीण इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये अमर चंद सैनी सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर एवं दलाल किशोर कुमार खटीक सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि उपज मंडी में दुकान के व्यवसाय में पाटर्नर बनवाने की एवज में अमर चंद सैनी, सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर द्वारा अपने दलाल किशोर कुमार खटीक सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी के माध्यम से 20 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी जयपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आहद खान के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर पुलिस निरीक्षक नीरज भारद्वाज एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये दलाल किशोर कुमार खटीक पुत्र नंदराम निवासी वार्ड नं. 39, तहसील व थाना चौमू, जिला जयपुर हाल सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर को अमर चंद सैनी पुत्र भैरूराम सैनी निवासी ग्राम थोई, श्रीमाधोपुर, जिला सीकर हाल निवासी म.नं. 69, कृष्णानगर, सिरसी रोड, जयपुर हाल सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर के लिये परिवादी से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपियों द्वारा परिवादी से पूर्व में ही 32 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर चुके थे। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

कांस्टेबल 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार, आवास व अन्य ठिकानों की तलाश जारी

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर नगर द्वितीय इकाई द्वारा सोमवार को अलवर में कार्यवाही करते हुये सहीराम कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली, अलवर शहर को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर नगर द्वितीय इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके पुत्रों के विरूद्ध पुलिस थाना कोतवाली अलवर में दर्ज एस.टी.एस.सी. के प्रकरण जिसकी जांच उप अधीक्षक पुलिस एस.टी./एस.सी. सैल अलवर कर रहे हैं, में एफआर लगवाने की एवज में सहीराम कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली अलवर शहर द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

कांस्टेबल सहीराम

जिस पर एसीबी जयपुर नगर द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजपाल गोदारा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उप अधीक्षक पुलिस अभिषेक पारीक एवं उनकी टीम द्वारा अलवर में ट्रेप कार्यवाही करते हुये सहीराम पुत्र शिब्बासिंह निवासी डीग जिला भरतपुर हाल कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली अलवर शहर को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

बरसात नहीं होने से किसान चिंतित

निवाई, (निसं)। तेज धूप एवं उमस से लोग परेशान होने के साथ ही बरसात नहीं होने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें दिखने लगी हैं। बरसात नहीं होने से किसानों को खेतों में बोई हुई फसलें नष्ट होने का भय बना हुआ है। किसान नेता मांगीलाल गुर्जर ने बताया कि एक सप्ताह पहले हुई बरसात को देखकर किसानों ने खेतों में ज्वार, बाजरा, उडद, मूंगफली, तिल, अरहड़ व मूंग सहित कई प्रकार की फसलें की बुआई कर दी। लेकिन बरसात नहीं होने से बोई हुई फसलों को नष्ट होने की संभावना होने से किसान चिंतित हैं। बरसात के लिए गांवों में किसानों द्वारा कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।

सम में रिसोर्ट मालिकों को नहीं मिलता नहरी पानी

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन मानचित्र में विश्व प्रसिद्ध सम के धोरों में पेयजल की सरकारी व्यवस्था नहीं है। सेंड ड्यूंस में स्थित सैंकड़ों रिसोर्ट मालिकों को महंगे भाव से टैंकर का पानी मंगवाना पड़ता है। ज्ञात रहे कि जलदाय विभाग द्वारा सम गांव के ग्रामीणों को नहर का मीठा पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। फिर भी सेंड ड्यूंस एरिया पानी के लिए तरस रहा है।

जैसलमेर का सम सेंड ड्यूंस इलाका सैलानियों की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। हर साल 5 लाख से भी ज्यादा देसी-विदेशी सैलानी इन रेतीले टीलों का रुख करते हैं। जलदाय विभाग के एसई दिनेश नागोरी ने बताया कि सम गांव में पानी के लिए पाइप लाइन है। लेकिन रिसोर्ट की तरफ नहीं है। उन्होंने बताया कि हमने रिसोर्ट संचालकों को कहा है कि वे डिमांड हमें दे ताकि हम प्लान बनाकर सरकार को भेज सकें। प्लान मंजूर हो जाता है तो इनको इंदिरा गांधी नहर योजना से जोड़ देंगे ताकि इनको मीठा पानी मिल जायेगा।

कांग्रेस के धरने में अग्निपथ स्कीम के फायदे बताने पहुंचे युवक की पिटाई

झुंझुनूं, (निसं)।जिला मुख्यालय पर कांग्रेस के प्रदर्शनों में इनदिनों सबकुछ अच्छा नहीं हो रहा। सोमवार को प्रदेशव्यापी आव्हान पर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट पर अग्निपथ स्कीम के खिलाफ चल रहे धरने में लात-मुक्के चल गए। दरअसल कांग्रेस का धरना चल रहा था। उसी दरमियान वहां पर लोहसना के जगदीप सिंह आया और उसने भी स्कीम को लेकर अपनी बात रखने की परमिशन मांगी। कांग्रेस नेताओं ने उसे परमिशन देकर माइक संभलवा दिया। लेकिन युवक ने अग्निपथ स्कीम के फायदे बताने शुरू कर दिए। तो कांग्रेस नेता सकपका गए। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री खलील बुडाना ने पहले तो युवक से माइक छीना। इसके बाद उसकी धुनाई कर दी।

युवक ने भागकर अपनी जान बचाई। आपको बता दें कि इससे पहले भी ईडी की कार्रवाई के खिलाफ जब कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया था। तो एक मंदबुद्धि युवक ने आकर भाजपा जिंदाबाद के नारे लगा दिए थे। जिसे भी नवलगढ से कांग्रेस पार्षद लोकेश जांगिड ने जमकर पीटा था। इस युवक ने पत्रकारों को बताया कि वह अग्निपथ योजना से खासा प्रभावित है और वह इसका समर्थन करता है। उसने धरने पर अग्निपथ लिखा देखा तो इसके फायदे में बोलना चाहता था। मैंने वहां पूछा कि मैं बोलना चाहता हूं और जैसे ही वह माइक से अग्निपथ योजना के फायदे के बारे में बोलने लगा पीछे से उसके साथ बैठे लोग आग बबूला हो गए और उसके साथ हाथापाई की। इसलिए भाग गया। इधर, खलील बुडाना ने बताया कि बच्चे के साथ किसी तरीके की मारपीट नहीं की गई। उसे पूरा मामला समझ में नहीं आया। इसलिए वह माइक पर ऐसा बोल गया। हमारा बच्चा हमारा ही है। उसे समझ में नहीं आया इसलिए यह सारा मामला हो गया। लेकिन कोई मारपीट जैसी बात नहीं हुई। फिर हमने बच्चे को समझाइश कर के वहां से दूर भेज दिया था। पर इस घटना ने राजनैतिक रंग ले लिया है और भाजपा नेता हमलावर हो गए है। भाजपा नेता व भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां ने कहा कि झुंझुनूं में जिस तरह की घटना हुई वह कांग्रेस के बौखलाहट का कारण है। उस युवा ने सच बात बताई और सच बात कांग्रेस को पचती नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोई भी अच्छी स्कीम कांग्रेस को अच्छी नहीं लगती है और आज भी वही हुआ। जो युवा ने सच कहा। वो धरने के दौरान कांग्रेसियों बर्दाश्त नहीं हुआ और युवा के साथ जिस तरह की मारपीट की गई है। वह निंदनीय है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया ने कहा कि झुंझुनूं एक ऐसा जिला है। जिसने देश में सर्वाधिक फौजी और शहीद दिए हैं। यहां के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। अग्निपथ योजना यहां का युवा अच्छी तरह से जानता है कि वह किस तरह से राष्ट्र को सशक्त बनाएगी। यहां का युवा नहीं चाहता कि कोई भी इस योजना का विरोध करें। जब भी ऐसी योजनाओं का विरोध किया जाता है कि तो युवाओं के मन में पीड़ा होती है। आज भी युवा इस योजना के बारे में बताने की कोशिश की। आज जिस तरह की घटना हुई वह निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फितरत रही है कि लोकतंत्र में आवाज को कैसे दबाया जाए। आज जो कृत्य कांग्रेसियों द्वारा किया गया है। वह घोर निंदनीय है।

बस से धुआं निकलता देख शीशे तोड़कर कूदे लोग, सात घायल

अलवर, (निसं)। अलवर-बहरोड सडक मार्ग पर बर्डोद में रेवाडी मोड पर सवारियों से भरी हुई चलती लोक परिवहन बस के ऑयल बॉक्स की सील टूटने से अचानक धुआं निकलने लगा। बस में बैठी सवारियों में आग लगने की अफवाह से अफरा-तफरी मच गई। सवारियों ने बस के शीशे तोड़कर बाहर कूदना शुरू कर दिया। भगदड में शीशे चुभने और बस से नीचे गिरने पर 7 सवारियां चोटिल हो गई। जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोक परिवहन बस सवारियां लेकर अलवर से बहरोड आ रही थी। जैसे ही गांव बर्डोद में रेवाडी मोड के पास पहुंची, तो भीषण गर्मी के चलते ऑयल की सील टूट गई और ऑयल साइलेंसर में पहुंच गया। गर्म साइलेंसर में ऑयल जलने लगा ओर धुंआ निकलने लगा। सवारियों में बस में आग लगने की अफवाह फैल गई। सवारियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में आ रही तकलीफ के बीच अपनी जान बचाने के लिए बस के शीशे तोडे और बाहर कूदना शुरू कर दिया।

इसी दौरान हरियाणा के रेवाडी जिले के गांव सालावास निवासी हंसराज खिडकी से नीचे उतरते समय फिसल गया और जमीन पर आ गिरा। यहां खिडकी से तोडे गए सीसे जमीन पर गिरे हुए थे। सिर के बल नीचे गिरा हंसराज के सिर में शीशे चुभ गए। जिससे वह अपने लहूलुहान हो गया। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाने के बाद उसे रेफर कर दिया गया। बस में चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौडे और सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहुल निवासी बेरोज, हंसराज निवासी सालावास (रेवाडी), धर्मपाल निवासी ढेलावास, पतराम निवासी जिंदोली, सुनीता निवासी तातारपुर ओर भानु घायल व चोटिल हो गए।

बिजली तार की चपेट में आने से पैंथर शावक की मौत

मृत पड़ा पैंथर शावक एवं मौके पर उपस्थित ग्रामीण।

मासलपुर, (निसं)। मासलपुर के निकटवर्ती खन्पुरा गांव में बीती रात के बाद खेतों से गुजर रहे एक पैंथर शावक की खेत में टूटे पड़े बिजली तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना का पता सोमवार प्रात: लगा जब ग्रामीण अपने खेतों की ओर गए। ग्रामीणों ने विद्युत निगम को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई एवं पैंथर के शावक की मौत की सूचना वन विभाग को दी। सूचना पाकर वन विभाग में खलबली सी मच गई।

क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद मीणा के निर्देशन में वनरक्षक जीतेंद्र सिंह, दर्शन सिंह, मनोज परमार, महेश बैरवा, वृक्ष पालक नवाब खॉ, पुरुषोत्तम गोयल सहित पुलिस कार्मिक पवन कुमार मौके पर पहुंचे एवं पैंथर शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए करौली ले जाया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम के बाद शावक के शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अभी तो यह ट्रेलर है, राजस्थान को कई कार्यों की सौगात मिलेगी: गडकरी

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जालोर में रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की परियोजना का शिलान्यास

जालोर, (कासं)। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जालोर में 102/00 (एन.एच. 325) पर 4-लेन रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए 92 करोड़ की लागत से एक कि.मी. लम्बाई की परियोजना का शिलान्यास किया।

जालोर शहर के एक निजी होटल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में सड़कों का जाल बिछाने का कार्य किया गया है। सड़क मार्ग के रूप में राजस्थान अग्रणी है। जालोर में आरओबी बनने से लोगों को राहत मिलेगी। वहीं उन्होंने कहा कि यह तो अभी ट्रेलर है पूरी फिल्म तो अभी बाकी है। राजस्थान के लिए कई कार्यों की सौगात दी जायेगी। भाजपा सरकार राजस्थान में राजमार्ग बनाने के लिए कटिबद्ध है।

सांसद देवजी पटेल ने भी वीसी के माध्यम से दिल्ली से सम्बोधित करते हुए कहा कि जालोर से आहोर जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के चलते कई घंटे लोगों को इंतजार करना पड़ता था। जिसको लेकर मेरे द्वारा लगातार केन्द्र सरकार को उक्त समस्या से अवगत करने पर आरओबी के लिए बजट आवंटित होने के साथ कार्य प्रारम्भ हो रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद जालोर के लोगो को राहत मिलेगी। वीसी कार्यक्रम में मौजूद जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जालोर के लिए यह बहुत बड़ा कार्य है। जालोर के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने कहा कि यह आरओबी केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त बजट से बन रहा है। जिससे आमजन को राहत मिलेगी। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी ने कहा कि आरओबी बनना हमारे लिए खुशी की बात है। इस दौरान जिला कलेक्टर निशांत जैन, जिला प्रमुख राजेश कुमार, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, नगर परिषद सभापति गोविन्द टांक, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जालोर शहर के एक निजी होटल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि व कई लोग मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर संवाददाता के अनुसार :- केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लगभग 753 करोड़ रूपए की सड़क परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार सिहाग गंगानगर से वीसी के माध्यम से शामिल हुई।

सूरतगढ़ में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान सांसद व पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री निहालचंद ने कहा कि अब जल्द ही इन परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरू होकर क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि गंगानगर जिले में 753 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास होने पर क्षेत्रावासियों के लिये एक बड़ी सौगात है। सांसद निहालचंद ने बताया कि इन परियोजनाओं के अंतर्गत श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में 26.61 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-62 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15) के बीकानेर-सूरतगढ़ खंड में आर.ई. दीवार के साथ दोनों तरफ के एप्रोच सड़क सहित इंदिरा सर्किल पर 1.066 किलोमीटर की लम्बाई के 4 लेन फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा और 56.20 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15) के सूरतगढ़-श्रीगंगानगर खंड के किमी 173.0 से 250/900 तक लगभग 77.90 किमी. मार्ग को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक अन्य परियोजना में श्रीगंगानगर से रायसिंहनगर तक एनएच-911 पर लगभग 670.38 करोड़ रूपए की लागत से पेव शोल्डर के साथ दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जाएगा, जिसकी लंबाई 102.076 किलोमीटर रहेगी। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद निहालचंद, सूरतगढ़ विधायक रामप्रताप कासनिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र भादू, अशोक नागपाल, एडीएम सूरतगढ़ अरविन्द जाखड़, आत्माराम तरड़ सहित जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा एनएचआई के इंजिनियर व पीडब्ल्यूडी के अधीशाषी अभियंता पवन कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

- गडकरी ने श्रीगंगानगर जिले में 753 करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं का किया शिलान्यास

जयपुर। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर-अजमेर मार्ग पर स्वीकृत फ्लाईओवर के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र में भांकरोटा चौराहा, हीरापुरा नरसिंहपुरा एवं देहमी कलॉ स्थानों पर यातायात का अधिक दबाव रहने के कारण घटने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनता की लम्बे समय से मांग की जा रही पैरवी आज पूरी हुई। सांसद बोहरा ने कार्यक्रम के दौरान जयपुर संसदीय क्षेत्र रिंग रोड के उत्तरी कोरीडोर के निर्माण कार्य करवाये जाने की मांग रखने जाने पर केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह कहते हुए आश्वासन देते हुए कहा कि जयपुर-दिल्ली की यात्रा जिस दिन 2 घंटे में करके जयपुर आउंगा उस दिन इस कोरीडोर का भी शिलान्यास करूंगा। सासंद बोहरा ने कहा कि मंत्री जी के इस आश्वासन से यह स्पष्ट हो गया कि जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाइवे का कार्य भी जल्द ही पूरा होगा, जिससे दिल्ली की यात्रा सुगम हो जायेगी। कार्यक्रम के दौरान अजमेर सासंद सहित विधायक गण, स्थानीय जनता उपस्थित रही।

होटल सीज मामले ने पकड़ा तूल, ईओ व कर्मचारियों के खिलाफ जांच की मांग

अजमेर, (कासं)। तीर्थ नगरी पुष्कर में विगत 17 जून को होटल सनसेट सीज करने पहुंचे पालिका ईओ अभिषेक गहलोत, नगर पालिका कर्मचारियों और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के बीच हुई हाथापाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को जिला देहात के कांग्रेसी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और माली समाज के लोगों ने अजमेर पहुंचकर जिला कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपकर पुलिस प्रशासन की एकतरफा कार्यवाही पर नाराजगी जताते हुए ईओ अभिषेक गहलोत और पालिका कर्मचारियों के खिलाफ जांच की मांग की है।

कलेक्टर अंशदीप व एसपी विकास कुमार को नसीम अख्तर के नेतृत्व में कांग्रेसी पदाधिकारी व माली समाज के लोगों ने ज्ञापन दिया।

- पुलिस की एकतरफा कार्यवाही पर नाराजगी जताई

पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री नसीम अख्तर के नेतृत्व जिला देहात के कांग्रेसी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और माली समाज के सैकड़ों की तादाद में महिला-पुरुषों ने सोमवार को जिला कलेक्टर अंशदीप और एसपी विकास शर्मा से मुलकात कर ज्ञापन सौंपा। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर ने कलेक्टर व एसपी को दिए ज्ञापन में बताया कि पुष्कर नगर पालिका के ईओ अभिषेक गहलोत ने द्वेषतापूर्वक कार्रवाई करते हुए कांग्रेसी महिला पार्षदों और कार्यकर्ताओं से अभद्र व्यवहार किया और होटल सीज करने गए। उस दौरान भारी संख्या में नगर पालिका के कर्मचारियों को हथियार सहित लेकर आए और मारपीट पर उतर गए और होटल सीज की जगह तोडफ़ोड़ करने लग गए। तोडफ़ोड़ की कार्रवाई को रोकने के लिए जब कांठोसी कार्यकर्ताओं और होटल मालिक बाबूलाल दगदी व उनके परिवार सहित समर्थक कार्यकर्ताओं ने विरोध किया तो उनके साथ हाथापाई पर उतर गए और मारपीट करने लगे। इसी दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता की पत्नी को धक्का देने पर कांग्रेसी कार्यकर्ता ने उनके थप्पड़ मार दिया उसके बाद नगरपालिका के कर्मचारियों ने भी गाडियों से लकड़ी निकाल कार्यकर्ताओं पर हमला बोल दिया। नसीम अख्तर ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने एकतरफा कार्रवाई की है और होटल मालिक के दो पुत्रों को गिरफ्तार किया जबकि कार्रवाई दोनों पक्षों की तरफ होनी चाहिए।

नसीम अख्तर ने जिला व पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि 4 दिनों के अंदर ईओ अभिषेक गहलोत के खिलाफ और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं पर हमला बोलने वाले नगर पालिका के कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो 1 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर कांग्रेसी कार्यकर्ता विशाल धरना प्रदर्शन करेंगे और आंदोलन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और पुलिस प्रशासन की होगी।

उन्होंने कहा कि कलेक्टर अंशदीप ने निष्पक्ष कार्रवाई करने और ईओ अभिषेक के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच हेतु 3 सदस्य कमेटी बनाकर जांच का अश्वसान दिया है। एसपी विकास कुमार ने भी कहा है कि पुलिस की तरफ से निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय जैन, हेमंत भाटी, छीतरमल टेपण, हाजी इंसाफ अली, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर, हनुमान सिंह सिंगोदिया, पुखराज दगदी, मनीराम अजमेरा, रामजतन चौधरी, पार्षद उमा देवी, समरता पाराशर, संगीता नागोरा, सरोज दगदी, शरद वैष्णव, गोपाल तिलोनिया, भागचंद दगदी बीरम सिंह रावत, सुनिल धानका, आलोक भारद्वाज, चंद्रशेखर गौड, ओम प्रकाश तिगाया, मौसम शर्मा, रवि शर्मा रमेश चंद मारोठिया, विनोद सत्रावला सहित बड़ी संख्या में कांठोसी कार्यकर्ता और माली समाज के लोग मौजूद रहे।

इंदिरा रसोई योजना की जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

बैठक में नवीन इंदिरा रसोइयों के लिए संचालक संस्था का चयन करने तथा उनके लिए सामग्री क्रय करने आदि पर चर्चा की गई।

भीलवाडा, (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष मोदी के निर्देशानुसार इंदिरा रसोई योजना की जिला स्तरीय समन्वय एवं मानिटरिंग समिति की बैठक सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में नवीन इंदिरा रसोइयों के लिए संचालक संस्था का चयन करने तथा उनके लिए सामग्री क्रय करने, नवीन इंदिरा रसोइयों में प्लेटफार्म एवं अन्य निर्माण की स्थिति पर चर्चा की गई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ राजेश गोयल ने पूर्व संचालित इंदिरा रसोइयों प्रगति की समीक्षा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ''कोई भूखा ना सोये'' संकल्पना को साकार करने के लिए आमजन में इंदिरा रसोई योजना के अधिकाधिक प्रचार करने को कहा।

उन्होंने इंदिरा रसोई में भोजन को प्रायोजित करने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों कार्मिकों तक इस योजना की स्पॉन्सर्ड स्कीम की जानकारी पहुंचने को कहा ताकि अधिक से अधिक प्रायोजित भोजन हो। बैठक में नगर परिषद आयुक्त दुर्गा कुमारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुस्ताक खान, जिला कोषाधिकारी रेखा शर्मा, इंदिरा रसोई डीपीएम अमृत खोईवाल व जिले के नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रेडक्रास द्वारा आयोजित शिविर में 40 यूनिट रक्त एकत्र किया

अजमेर, (कासं)। इंडियन रेडक्रास सोसायटी, किसान मोर्चा खोडा गणेश मण्डल एवं जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को बीरा गार्डन एवं रेस्टोरेन्ट बडलिया चौराहा पर स्व. शंकरसिंह रावत की पांचवी पुण्य तिथि पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

स्व शंकरसिंह रावत की पांचवी पुण्य तिथि पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान अर्जुन सिंह ने रक्तदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ इन्सान के शरीर में करीब पांच लीटर रक्त होता है जिसमें से साढे तीन सौ ग्राम रक्त तीन माह में एक बार देने से शरीर में किसी भी तरह की कमजोरी नहीं आती है अपितु नए रक्त संचार से स्फूर्ति बनी रहती है। शिविर में अध्यक्ष पद से बोलते हुए रेडक्रास के चेयरमैन हरिनारायण सोमानी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान से अच्छा जीवन में कोई दान नहीं है। रावत ने कहा कि दुर्घटनाओं में शिकार व्यक्तियों के लिये, अस्पताल में आकस्मिक आवश्यकताओं के लिये, प्राकृतिक आपदाओं में जरूरत होने पर आपका दिया हुआ रक्त इन रोगियों की जिन्दगियां बचाता है।

रेडक्रास के वाईस चेयरमैन सोमरत्न आर्य ने कहा कि प्रत्येक नौजवान को अपने जन्म दिन या विवाह की वर्ष गांठ पर,राष्ट्रीय पर्व या धार्मिक पर्व पर, विश्व रक्तदाता दिवस या विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हर तीन माह के अन्तराल में अवश्य रक्तदान करें। उन्होनें रक्तदाताओं से आठाह किया कि अपने जीवन में जीते जी रक्तदान और मृत्युपरान्त देहदान के ध्येय वाक्य को अपने जीवन का आदर्श बनाए। इस अवसर पर सम्भागीय रक्तकोष की पूरी टीम व किसान मोर्चा खोडा गणेश मण्डल के अध्यक्ष सोहनसिंह रावत, जयसिंह, गणेश सिंह, महेन्द्रसिंह, घनश्याम जांगीड, सचिव जीवन सिंह चौहान, मदनसिंह, राजेशसिंह तथा रेडक्रास के संगठन सचिव जीवनसिंह चौहान,सचिव कर्नल के डी उपाध्याय, मल्लासिंह, जावेद खान विशेष रूप से उपस्थित थें।

बैंक कर्मचारी ने फांसी लगाई, पुलिस जांच में जुटी

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के अजयनगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी एक बैंक कर्मचारी ने बीती रात फांसी का फंदा लगाकार जीवनलील समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। वहीं बैंक कर्मचारी के कमरे में मिले सुसाइड नोट में उसने अपनी ही बैंक के शाखा प्रबंधक और अधीन अन्य अधिकारियों पर धमकाने का आरोप लगाया। पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

- सुसाइड नोट में बैंक अधिकारियों पर धमकाने का आरोप लगाया

रामगंज थाने के एएसआई देवाराम ने बताया कि मृतक बैंक कर्मचारी अजय नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी हिमांशु निरंकारी पुत्र भगवानदास निरंकारी है। मृतक किशनगढ़ स्थित बैंक शाखा में कार्यरत था। मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। वर्ष 2021 में 24 जून को स्पाइन रोग से बीमार ग्रसित होने के कारण समय-समय पर अपना मेडिकल भी इंडियन ओवरसीज बैंक किशनगढ़ शाखा और हेड ऑफिस को भिजवा रहा था लेकिन बीती देर रात बैंक कर्मचारी हिमांशु ने खुद को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पास मिले सुसाइड नोट में बैंक कर्मचारी ने लिखा है कि 2 दिन पहले बैंक के कुछ अधिकारी उसके पास आए थे और उसे धमकाया था कि यदि कल से तुम बैंक ड्यूटी पर नहीं आए तो तुम्हारी नौकरी चली जाएगी, लेकिन वह इस हालत में नहीं था कि बैठ भी सके और चिकित्सकों ने उन्हें संपूर्ण बैडरेस्ट करने की सलाह दे रखी थी। इसके चलते डिप्रेशन में आ गए और खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आम सूचना

मेरे पक्षकार श्री राकेश माली पुत्र श्री अमर चन्द माली जाति माली आयु लगभग 47 वर्ष निवासी घुघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर की हिदायत व निर्देशानुसार यह आम सूचना प्रकाशित कर रहा हूँ कि मेरे पक्षकार की पुत्री शिवानी टांक के द्वारा मेरे पक्षकार व उसके परिवार की इच्छा के विरुद्ध गैर समाज के लड़के से विवाह कर लिया है। मेरा पक्षकार पुत्री शिवानी टांक को अपने परिवार से निष्कासित करता है और अब मेरे पक्षकार व उसके परिवार का संबंध किसी भी प्रकार से शिवानी टांक के साथ नहीं रहेगा और ना ही हमारा कोई रिश्तेदार या निजदीकी मिलने वाला शिवानी टांक से कोई व्यवहार करेगा और ना ही कोई लेन देन करेगा और कोई भी व्यक्ति शिवानी टांक से लेन देन करता है तो वह अपनी जिम्मेदारी पर करेगा जिसके लिए मेरा पक्षकार व मेरे पक्षकार का परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। मेरा पक्षकार उसकी एवं परिवार की चल व अचल सम्पत्ति से शिवानी टांक को बेदखल करता हूँ और शिवानी टांक को मेरे पक्षकार की मृत्यु के पश्चात् मेरे पक्षकार व उसके परिवार की सम्पत्ति में कोई भी हिस्सा या अन्य किसी भाग में हिस्सा मांगने का कोई अधिकार नहीं होगा। (एस.के. भार्गव) एडवोकेट, प्रभु भवन, हाथीभाटा, अजमेर, मो. 9829072040

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ज्ञान विहार कोटड़ा योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 174 क्षेत्रफल 138.89 वर्गमीटर के आवंटी/अन्तरिति श्री प्रवीण कुमार पाराशर पुत्र श्री छीतरमल पाराशर निवासी 174, ज्ञान विहार, कोटड़ा अजमेर की मृत्यु दिनांक 18.08.2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) श्रीमती शोभा पाराशर पत्नि राकेश पाराशर (2) राजकुमार पाराशर पुत्र प्रवीण कुमार पाराशर निवासी 174, ज्ञान विहार, कोटड़ा अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती प्रेमलता पाराशर प्रवीण कुमार पाराशर निवासी 174, ज्ञान विहार, कोटड़ा अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 19.05.2022 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय पंचायत समिति हुरड़ा जिला-भीलवाड़ा

क्रमांक-पसहु/निर्माण/लेखा/2022-23/523 दिनांक - 27/06/2022

निविदा सूचना 03/2022

पंचायत समिति हुरडा के अधीन में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के राज्य वित्त आयोग पंचम/पन्द्रहवां वित्त आयोग योजनान्तर्गत कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र एवं अन्य शर्तें वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO. ZBL2223WSOB00544 to 00547
NIB NO. ZBL2223AO0219

विकास अधिकारी
ग्राम समिति हुरडा

Name Change

I have changed my name from Rekha Verma W/O Girish Kumar Verma to REKHA SONI W/O Girish Kumar Verma. Address: 64, Nehru Gate Bahar, Munot Colony, BEAWAR-305901 (Ajmer) Raj.

आम सूचना मेरी अभिभाध्या कम्पनी आई. डी. एफ. सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड, 5th फ्लोर, माल उपासना, सरदार पटेल मार्ग, नियर चौमू सर्किल, जयपुर एवं ब्रान्च ऑफिस सैकिण्ड फ्लोर 90 डिग्री, आनासागर सर्कुलर रोड, अजमेर के निर्देशानुसार आम जन को सूचित किया जाता है कि उक्त कम्पनी से ऋण प्राप्तकर्ता मोहम्मद यूसुफ एप्लीकेशन नम्बर 0501165423 व मोहम्मद उसमान के स्वामित्वाधिकार की सम्पत्ति आवासीय प्लाट पट्टा नम्बर 453, स्थित वार्ड नम्बर 06, नियर मदीना मस्जिद, मालियों की ढाणी, गाँधी नगर, मदनगंज, किशनगढ़, जिला अजमेर के मूल दस्तावेज उक्त कम्पनी के अजमेर कार्यालय से श्री अमित उबाना द्वारा ब्लू डर्ट कोरियर कम्पनी द्वारा ए.डब्ल्यूबी. 40669131005 के जरिये दिनाँक 19.04.2022 को श्री साहिल श्रीवास्तव एवं श्री नितेश प्रजापति के पास जयपुर ब्रान्च में कोरियर द्वारा भिजवाये थे जो कि मिल नहीं रहे हैं। अतः आम जन को सूचित किया जाता है कि उक्त मूल कागजात यदि किसी को भी मिले तो उनका किसी प्रकार से दुरूपयोग नहीं करें तथा उन्हें उक्त कम्पनी को अथवा मुझे मेरे निम्न पते पर भिजवाने का श्रम करें:- पुलकित गर्ग (एडवोकेट) MZ-4, अलंकार टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016, अथवा 7-ए, ज्योति विला, अशोक मार्ग, बसंत कॉलोनी, अजमेर-305001, मो. 09828084002

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक: 663 दिनांक: 22.6.2022

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-च-8 आनासागर सरक्यूलर रोड़ अजमेर योजना में श्री विजय कुमार पुत्र श्री मोरन्दमल जेठानी को आवंटित कर दिनांक 09.12.1978 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री विजय कुमार पुत्र श्री मोरन्दमल जेठानी द्वारा दि. 22.03.1997 को उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया हैं। श्री विजय कुमार पुत्र श्री मोरन्दमल जेठानी ने आवास का बैचान श्रीमती लीना जे. पत्नी श्री रमेश को कर दिया गया। श्रीमती लीना जे. पत्नी श्री रमेश ने आवास का बैचान श्रीमती कुसुम बोहरा स्व. श्री आशा कुमार बोहरा को कर दिया गया। श्रीमती कुसुम बोहरा स्व. श्री आशा कुमार बोहरा के पक्ष में मण्डल द्वारा परस्पर विक्रय के पश्चात् नामान्तरण के कार्यालय आदेश दिनांक-05.09.2013 को जारी किये गये। श्रीमती कुसुम बोहरा की मृत्यु दिनांक12.03.2022 को हो जाने के कारण उनके वारीसान श्री विवेक जैन एवम् श्री विनीत जैन पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार बोहरा द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अब श्री विवेक जैन एवम् श्री विनीत जैन पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार बोहरा ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वंय के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया हैं। श्री विवेक जैन एवम् श्री विनीत जैन पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार बोहरा का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन हैं। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन शिविर आज

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ में खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन शिविर मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। कारोबारियों की सुविधा के मद्देनजर शिविर में हाथोंहाथ लाइसेंस जारी किए जाएंगे।

राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से जारी दिशा-निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत खाद्य कारोबार शुरू करने के लिए अपना लाईसेंस और रजिस्ट्रेशन सक्षम प्राधिकार से प्राप्त किया जाना वैधानिक अनिवार्यता है।

मांडलगढ में 28 जून मंगलवार को ओस्तवाल कॉम्प्लेक्स, डाक बंगला चौराहे के पास, माण्डलगढ में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुस्ताक खान ने बताया कि माण्डलगढ ओर आस-पास के कस्बे व गाँवों के खाद्य कारोबारियों के आवेदन लेकर लाईसेंस एवं रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके लिए सभी प्रकार के खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि शिविर में पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन व लाईसेंस बनवाएं।

सैयद शाहिद हुसैन रिजवी दरगाह कमेटी के नए चेयरमैन

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा ग़रीब नवाज़ की प्रबन्धक कमेटी, दरगाह कमेटी के वर्ष 2022-23 के चेयरमैन पद पर दरगाह कमेटी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मिति से सैयद शाहिद हुसैन रिज़वी को चुना। इसके साथ ही नायब सदर के पद के लिए जयपुर के मुनव्वर खान को दोबारा जिम्मेदारी दी गई।

- मुनव्वर खान ने फिर संभाला नायब सदर का पद

नवनिर्वाचित सदर और नायब सदर का दरगाह कमेटी सदस्यों ने स्वागत किया।

सदर और नायब सदर के पद के चुनाव नई दिल्ली में केन्द्रीय वक्फ़ काउंसिल, सभागार में सम्पन्न हुए। इस अवसर बैठक में दरगाह कमेटी सदस्य अमीन पठान, सैयद बाबर अशरफ, कासिम मलिक, सपात खान, फारूके आज़म, वसीम राहत अली, जावेद पारेख के साथ अल्पसंख्यक मंत्रालय के अवर सचिव मोहम्मद नदीम खान मौजूद रहे। बैठक में एजेण्डा बतौर सचिव शादान जैब खान ने पेश किया। बजट बैठक में खान ने वर्ष 2022-23 का बजट प्रस्तुत किया। जिस पर चर्चा आगामी 01 जुलाई को अजमेर में आयोजित होने वाली बैठक में की जाएगी। नवनिर्वाचित सदर और नायब सदर को दरगाह कमेटी सदस्यों सहित परिजनों ने मुबारकबाद पेश की, नाज़िम शादां जैब खान ने शाल पहना कर दोनों पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस पर दोनों ही पदाधिकारियों ने स्वयं पर ख्वाजा साहब की इनायत बताई और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नक़वी और सभी दरगाह कमेटी सदस्यों एवं परीजनों का शुक्रिया अदा किया। गौरतलब है कि सैयद शाहिद हुसैन रिज़वी सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट हैं, इसके अलावा कई विभागों एवं बोर्ड में बतौर सदस्य अपनी सेवाए दे चुके हैं।

सैयद शाहिद हुसैन रिज़वी, सदर, ने कहा कि ''दरगाह शरीफ़ में सफ़ाई व्यवस्था के साथ सम्पत्तियों के विकास हमारी प्राथमिकता रहेगी। हम कोशिश करेंगे की दरगाह में आने वाला जायरीन एक अच्छे अनुभव के साथ लौटे।'' नायाब सदर मुनव्वर खान ने बताया कि ''दरगाह विकास के सम्पूर्ण जारी कार्यों को पूरा किया जाएगा। जायरीन को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता होगी''

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, जहाजपुर जिला - भीलवाडा

E-Mail: mbjahazpur@gmail.com Contact : 01485-230101
क्रमांक नपाज/2022-23/512 दिनांक : 27-06-2022

उजरदारी सूचना

एदत् द्वारा सार्वजनिक उजरदारी सूचना जारी की जाती है कि नगर पालिका जहाजपुर मे नीचे अंकित आवेदक अपनी क्रय शुदा सम्पति जो कि नगर पालिका क्षेत्र जहाजपुर में स्थित है का नामान्तरण/निर्माण स्वीकृती स्वयं के नाम से जारी किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पता	स्थान	पडौस	प्रयोजनार्थ
1.	श्रीमती सुमन देवी पत्नि बनवारी लाल सोनी निवासी जहाजपुर (भील.)	वार्ड नं. 08 सदर बाजार जहाजपुर स्थित भूखण्ड सं. 12 जिसका नाप = 45+49/2X25 = 1175 वर्गफिट	भूखण्ड के पडौस निम्न प्रकार है- पूर्व - भूखण्ड संख्या 13 पश्चिम - भूखण्ड संख्या 11 उत्तर - अन्य भूमि दक्षिण - रास्ता 30 फिट	आवासीय मकान निर्माण स्वीकृति

उक्त नामान्तरण/निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदक के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/वारिसान को कोई आपति हो तो उक्त विज्ञप्ति के प्रकाशन दिनांक के 7 दिवस के भीतर-भीतर मय दस्तावेजो के लिखित रूप में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद उक्त सम्बन्ध मे कोई आपति मान्य नही होगी व आवेदक के पक्ष मे नामान्तरण/निर्माण स्वीकृति जारी की जाने की कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। सूचित रहे। **अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका, जहाजपुर**

कांग्रेस का प्रदर्शन सेना और राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ : देवनानी

अजमेर, (कासं)। भाजपा नेता, पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने 'अग्निपथ' योजना को लेकर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रर्दशन को 'नौटंकी' करार देते हुए कहा कि सेना और राष्ट्र सुरक्षा से जुडी महत्वपूर्ण योजना के खिलाफ प्रदर्शन होना सेना और राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड है। कांग्रेस नहीं चाहती की देश की सेना और सुरक्षा मजबूत हो।

देवनानी ने कहा कि अग्निपथ योजना पूर्णतया देशहित में है। इस योजना से सेना तथा देश की सुरक्षा पहले से अधिक 'युवा', आधुनिक एवं सशक्त होगी। 'अग्निवीरो' को 4 साल बाद अनेक लाभ मिल सकेंगे। वे एक अनुशासित, गतिशील, प्रेरित एवं कुशल श्रमशक्ति के रूप में अन्य क्षेत्रों में रोजगार पाने के उद्धेश्य से अपनी पसंद के पेशे में करियर बनाने के लिए सिविलियन के रूप में वापस लौट सकेंगे। लौटने के दौरान उन्हें 11.7 लाख एक मुश्त राशि एवं इसके बाद जरूरतमंद अग्निवीर को करीब 18 लाख रूपए तक का लोन भी मिल सकेंगे। कुल में से 25 प्रतिशत 'अग्निवीर' सेना में जा सकेंगे। राज्यों में बीएसएफ व सीआरपीएफ में भी अग्निवीरों में से ही लिए जाएंगे। इस अग्निपथ के सुखद परिणाम चार साल बाद देशवासियों के सामने होंगे। कांग्रेस नहीं चाहती हमारी सेना और सुरक्षा मजबूत हो। देश की सेना और सुरक्षा की रत्तीभर भी चिंता अगर कांग्रेस को होती तो वह अग्निपथ पर प्रदर्शन करने के बजाए समर्थन में उतरती।

- अग्निपथ को लेकर कांग्रेस द्वारा किए प्रदर्शन पर देवनानी ने दी प्रतिक्रिया

देवनानी ने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य ही है कि संविधान और लोकतंत्र रक्षा का जूठा राग अलापने वाली कांग्रेस न केवल अग्निपथ जैसी योजना का विरोध कर रही है बल्कि अनावश्यक जवानों को भ्रमित करने का कार्य किया जा रहा है। वैसे कांग्रेस और कांग्रेसियों की आजादी से देश को कमजोर करने की नीतियां ही रही है, जो आज भी जारी है। कांग्रेस के राहुल गांधी पडोसी दुश्मन देशों की भाषा बोल रहे हैं। उनकी भाषा देश को कमजोर करने वाली है। गांधी कभी नहीं चाहते देश मजबूत बनें।

प्रदर्शन पर बोलते हुए देवनानी ने कहा कि आज का प्रदर्शन केवल कांग्रेस की नौटंकी साबित हुआ। कांग्रेस प्रदर्शन के माध्यम से युवाओं को भ्रमित करना चाहती थी लेकिन फैल साबित हुई। प्रदर्शन में युवाओं ने रूचि नहीं दिखाई। कांग्रेस युवाओं की भीड जुटाने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि देश से खत्म होती कांग्रेस की भलाई इसी में ही कि वह राष्ट्र सुरक्षा से जुडी इस योजना का विरोध करना बंद करें और योजना पर अनर्गल टिप्पणियां करने के बजाए योजना के फायदे जवानों को बताए ताकि इसका सम्पूर्ण लाभ देश और जवानों को मिल सके। समय रहते कांग्रेस ऐसा नहीं करती है तो वह निश्चित ही परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, जहाजपुर जिला-भीलवाडा

G-Mail: mbjahazpur@gmail.com contact: 0148-230101
क्रमांक: नपाज/2021-22-513 दिनांक: 27/06/21

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के अन्तर्गत धारा 69ए व ग्रान्ट स्टेट एक्ट के तहत पट्टे चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। इस बाबत् मालिकाना हक सम्बन्धित किसी को कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेज के इस पालिका में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। मियाद गुजरने के पश्चात् किसी की भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी तथा आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी किए जाने की कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र.सं	आवेदक का नाम	स्थान
1	श्री जयनारायण मीणा पिता दुर्गा लाल मीणा	वार्ड नं. 24
2	श्रीमती कमलेश देवी मीणा पत्नि कैलाश चन्द मीणा	वार्ड नं. 22
3	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पिता सुरेश चन्द्र शर्मा	वार्ड नं. 06
4	श्री मुरलीधर खटीक पिता पोखर खटीक	वार्ड नं. 05
5	श्री बालकृष्ण भुंवालिया पिता रमेश चन्द्र भुंवालिया	वार्ड नं. 18
6	श्री सुखदेव मीणा पिता रामलाल मीणा	वार्ड नं. 03

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका जहाजपुर

संक्षिप्त

ब्लॉक स्तरीय किसान गोष्ठी

सरवाड़, (निसं)। पंचायत समिति सरवाड़ सभागार में आत्मा योजना अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कृषि बजट आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन उप जिला प्रमुख आगामी लाल चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रधान धाकड़ वह सरवाड़ प्रधान प्रतिनिधि रामदेव गुर्जर रहे। कार्यक्रम में उपनिदेशक कृषि परियोजना निर्देशक आत्मा बुद्धि प्रकाश पारीक ने जल संरक्षण जैविक खेती मिशन बीज उत्पादक एवं वितरण मिशन राजस्थान मिलेट प्रोत्साहन संरक्षित खेती मिशन भूमि मिशन राजस्थान मिशन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया आत्मा परियोजना अंतर्गत पंचायत समिति जिला स्तर पर पुरस्कार कृषि में बालिका शिक्षा हेतु प्रोत्साहन राशि फसल प्रदर्शन प्ररीक्षण एवं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस दौरान सहायक कृषि अधिकारी सत्यनारायण ओझा नारायण सिंह राठौड़ अखिलेश खटीक कृषि प्रवेशक हीरालाल आदि उपस्थित रहे।

सात किलो गांजा ले जाते तस्कर पकड़ा

भीलवाडा, (निसं)।मंगरोप थाना पुलिस ने गश्त के दौरान प्लास्टिक की बाल्टी में 7 किलो गांजा ले जाते तस्कर को गिरफ्तार किया है। डीएसपी सदर रामचंद्र चौधरी ने बताया कि मादक पदार्थ के तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगरोप थाना प्रभारी मोतीलाल ने गश्त के दौरान नेशनल हाइवे पर गुवारडी सरहद में स्थित देवनारायण मंदिर से पहले नाले के पास संदेह के आधार पर एक युवक को रोका तो वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया। पुलिस को उसके पास प्लास्टिक की बाल्टी मिली जिसमें 7 किलो गांजा मिला जिसे पुलिस ने जब्त कर श्रीराम नगर मंडपिया स्टेशन भगवती लाल उर्फ भागूता पुत्र मांगीलाल प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और अग्रिम जांच हमीरगढ थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया को सौंपी गई है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

अजमेर, (कासं)। शहर के धोला भाटा रोड स्थित मन्ना हवेली में हर माह की 27 तारीख को निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी कडी में सोमवार को आयोजित चिकित्सा शिविर में करीब 160 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई ओर परामर्श लिया। केके गौड ने बताया कि हर माह की 27 तारीख को आयोजित किये जा रहे नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में विभिन्न रोगों की नि:शुल्क दवा उपलब्ध करवाई जाती है। यह चिकित्सा शिविर सीनियर सिटीजन ग्रुप धोला भाटा द्वारा संचालित किया जाता है। सीनियर सिटीजन ग्रुप द्वारा द्वारा पूर्व में भी कई तरह के सामाजिक कार्य किए जाते रहे हैं, जिनमें निशुल्क श्रवण यंत्र, छड़ी, आंखों का चश्मा वितरित किए गए एवं सामाजिक कार्य गायत्री यज्ञ वैक्सीनेशन कैंप भी आयोजित किए जाते है। सोमवार को शिविर में 160 से अधिक लोग लाभान्वित हुए।

केशकला बोर्ड अध्यक्ष नागौर आएंगे

नागौर, (निसं)। राज्य के केशकला बोर्ड अध्यक्ष महेंद्र गहलोत मंगलवार को नागौर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार महेंद्र गहलोत मंगलवार को नोखा (बीकानेर) से दोपहर 2 बजे रवाना होकर शाम 4 बजे मकराना की ग्राम पंचायत मामडोली पहुंचेंगे जहाँ वे 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे वहां से 4:30 बजे रवाना होकर 5:15 बजे लाडोली पहुंचेंगे जहां वे पुस्तकालय एवं सभागार कक्ष के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे गांव लाडोली से शाम 7 बजे जयपुर के लिये रवाना होंगे।

ट्रांसफार्मर से तेल और तांबा चोरी

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत ग्राम गादेरी में दो मोबाइल टावर के लिए लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से गत 16 जून को अज्ञात चोर तेल और तांबा चुरा कर ले गए जिस पर अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड श्रीनगर की कनिष्ठ अभियंता दिनेश मीणा की रिपोर्ट पर सदर थाना पुलिस ने सोमवार को चोरी का मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

48 पव्वे देशी शराब सहित जब्त

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए ग्राम झड़वासा के निकट से ग्राम रामपुरा निवासी दुर्गा भील को 48 पव्वे अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार कर सोमवार को नसीराबाद न्यायालय में पेश किया।

खड़े ट्रेलर से टकराई रोडवेज, दुर्घटना में एक दर्जन यात्री घायल

बांदनवाड़ा, (निसं)। कस्बे के अजमेर रोड पर कुमावत पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर खड़े दर्जनों ट्रेलर्स मे से एक से प्रात: 8 बजे भीलवाड़ा से अजमेर जा रही एक रोडवेज टकरा गई। दुर्घटना में तकरीबन दर्जन यात्री घायल हो गए।

टक्कर की तेज आवाज से दुर्घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई जिनकी मदद से 108तथा एनएचएआई की एंबुलेंस में घायलों को चिकित्सा हेतु स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। मौके पर स्थानीय पुलिस चौकी से पहुंचे पुलिस कर्मियों राजेश कुमार तथा महेश ने यातायात सुचारू करवाया। यात्रियों मे से एक ने बताया कि बस बांदनवाड़ा स्टेंड से सवारियां लेकर कुमावत पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंची ही थी कि बस सड़क पर खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई जिससे बस मे सवार तकरीबन एक दर्जन यात्री घायल हो गए। ट्रेलर से टकराने कि वजह से बस के आगे के दोनों शीशे टूट गए जिसके चलते सवार यात्री चोटिल हो गए।

दुर्घटनास्थल पर थोड़ी ही देर में भीड़ जमा हो गई तथा सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने भीड़ को हटा कर यातायात सुचारू करवाया तथा उपस्थित लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उपस्थित चिकित्साकर्मियों ने घायलों प्राथमिक उपचार किया तथा गंभीर घायलों को जेएलएन चिकित्सालय अजमेर रैफर किया गया। दुर्घटना में धनराज पुत्र धूकल 60वर्ष देवनगर पुष्कर, अजय पुत्र गणपत 24 वर्ष निवासी करकेडी, मंजू शर्मा पुत्री राधेश्याम निवासी भीलवाड़ा,बाबूलाल पुत्र पन्ना निवासी भीलवाड़ा, विजयनगर, रामदेव पुत्र हीरा निवासी भिनाय, माया पत्नी हंसराज निवासी अजमेर, रोजमेरी पुत्री नितिन निवासी अजमेर राजेश पुत्र हस्तीमल निवासी भीलवाड़ा, दिलखुश पुत्र गोपाल, हबुदी देवी पत्नी मदनलाल निवासी भिनाय तथा राधेश्याम पुत्र मदनलाल निवासी भीलवाड़ा घायल हो गए जिनमे से गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रैफर कर दिया गया। जानकारी पर मसुदा विधायक राकेश पारीक, भिनाय थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा घायलों की हालात जानने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। दिन में चौबीसों घंटों सड़क पर कई ट्रेलर बेरोकटोक खड़े रहते है जिनकी वजह से यातायात प्रभावित होता है साथ ही एनएचएआई द्वारा टांटोटी सड़क तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने हेतु कोई अंडरपास नहीं दिए जाने के कारण कई वाहन रोंग साईड से आतेजाते रहते है। इसके चलते दुर्घटनाओं की संभावना सतत बनी रहती है।

- सड़क पर खड़े दर्जनों ट्रेलर की कतारें हादसे का कारण बनी
- गंभीर घायलों को उपचार हेतु चिकित्सालय रैफर किया

टक्कर की तेज आवाज से दुर्घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई जिनकी मदद से 108 तथा एनएचएआई की एंबुलेंस में घायलों को चिकित्सा हेतु स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

बाड़े में लगी आग से मवेशी एवं लाखों का चारा खाक

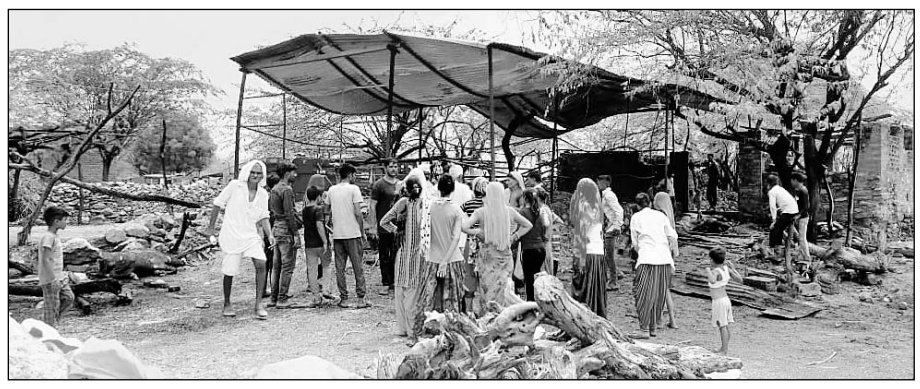

भगवानपुरा में अज्ञात कारणों से आग लग गई।

बिजयनगर, (निसं)। गांव भगवानपुरा में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से बाड़े में लगी आग से लाखों का चारा एवं छोटे बड़े 6 मवेशी जलकर राख हो गए।

जानकारी अनुसार प्रार्थी लादूराम जाट पुत्र प्रताप निवासी भगवानपुरा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि सोमवार दोपहर उसके बारे में अज्ञात कारणों से लगी आग से 450 क्विंटल चारा एवं दो बड़े मवेशी एवं चार छोटे मवेशी जल गए। आग समीप बने उसके भाई रामधन जाट के बाडे आग के फेलने से चारा एवं छप्पर जलकर राख हो गए। पुलिस को इत्तला मिलने पर एएसआई घनश्याम मीणा मय जाब्ते मौके पर पहुंचे एवं अग्निशमन को इतला देते हुए ग्रामीणों की सहायता से आग बुझाने के प्रयास किये। ग्राम सथाना पूर्व सरपंच अशोक साहू, पूर्व जिला परिषद सदस्य संजय सिंह, विष्णु चौधरी जगदीश जाट सहित ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच आग को बुझाने में सहायता की।

सीडीईओ ने शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों का निरीक्षण किया

नागौर, (निसं)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने सोमवार को मकराना ब्लॉक के ग्राम चावंडिया में आयोजित फाउंडेशन लर्निंग एंड न्यूमैरिकी शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 32 शिक्षकों के उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर होने के उपरांत भी अनुपस्थित पाए गए।

सीडीईओ शर्मा ने इन शिक्षकों द्वारा बरती गई लापरवाही व अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर शिविर प्रभारी तथा संबंधित सीबीईओ से जवाब तलब किया। इन चारों शिविरों में कुल 180 शिक्षक पंजीकृत थे। उन्होंने समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जावेगी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को कहा कि वे प्रशिक्षण के दिन पूरे समय प्रात: 10 से सायं 5 बजे तक शिविर में रहे तथा प्रशिक्षण प्राप्त करें। उन्होंने शिविर प्रभारियों को आगामी शिविरों के सभी सत्र समय-सारिणी के हिसाब से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि जिले मे 6 हजार 7 सौ 67 शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण शिविर 27 जून से 23 जुलाई तक 4 चरणों मे आयोजित होंगे। शिविर प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों मे बुनियादी साक्षरता अर्थात समझ के साथ पढना और लिखना है। साथ ही सामान्य गणितीय यथा जोड, बाकी, गुना और भाग की व्यावहारिक समझ के कौशल को विकसित कर सत्र 2026-27 तक शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना है। गौरतलब है कि फाउंडेशन लर्निंग एंड न्यूमेरिकी प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अंतर्गत एक मिशन है जिसे निपुण भारत अभियान नाम दिया गया है।

- अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी

ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह आज नागौर में

नागौर, (निसं)। राज्य के ऊर्जा (स्वतंत्र प्रभार), जल संसाधन, इंदिरा गांधी नहर परियोजना एवं जल संसाधन (आयोजना) विभाग राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी मंगलवार को नागौर दौरे पर रहेंगे। राज्य मंत्री भाटी जयपुर से सुबह 11 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजे मकराना पहुंचेंगे। यहा दोपहर 1 से 2:30 बजे तक स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। उसके बाद दोपहर 2:30 बजे मकराना में नगर परिषद भवन एवं उप जिला चिकित्सालय भवन उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। शाम 4 बजे मामडोली ग्राम में 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। शाम 5 बजे लाडोली गांव की निम्बडी ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में पुस्तकालय सभागार कक्ष के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। शाम 7 बजे गच्छीपुरा ग्राम पंचायत (दमबोई) में सहायक अभियंता कार्यालय व स्टोर रूम के उद्घाटन कार्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

ब्यावर में 'चुप्पी तोड़ो खुल कर बोलो' प्रशिक्षण कार्यक्रम

ब्यावर, (निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय छावनी में प्रशिक्षणार्थी चार्ट बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर शर्मिला कच्छावा, दिनेश कुमार, गोपाल शर्मा और लाली बाई ने सभी संभागीय को प्रजनन तंत्र संक्रमण, एसटीएम और आरटीआई से बचाव प्रबंधन के तरीके, नशा मुक्ति केंद्र, किशोरों में प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा विभिन्न शंका समाधान को चर्चा परिचर्चा के साथ बताए गए।

प्रशिक्षण दो ग्रुप में चलाया जा रहा है। कोऑर्डिनेटर प्रधानाचार्य विमला रावत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय छावनी के निर्देशन में संभागी गुरुशरण गोयल, किशन वैष्णव, भोपाल सिंह, खीमराज कटारिया, हरकरण जलवानिया, रमेश चंद मेहरानियां, नीलम सिंह, मोहन सिंह, बाबू खान मंसूरी, गणपत लाल निबेल, हरि प्रकाश सिंह, देवानंद, रोहित जैन, प्रियंका गोयल, सरिता, ओमप्रकाश सिंह, महेंद्र कुमार बोहरा, पुखाराम जोगावत, नारायण सिंह, नारायण लाल प्रजापति सहित115 संभागी पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में लाइफ लाइन रक्तदाता ग्रुप का भी सम्मान किया गया। सम्मान कार्यक्रम संयोजक रवि पारीक, मुख्य अतिथि महावीर रांका, मुकन्द ओझा, विक्रम अरोडा आदि द्वारा प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल छावनी में प्रशिक्षणार्थी चार्ट बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पेट्रोल पंप पर चाकूबाजी मामले में सहयोगी गिरफ्तार

भीलवाडा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में एक पेट्रोल पंप पर शनिवार रात चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने के मामले में पुलिस को मुख्य दो आरोपितों सहित तीन अन्य की तलाश है। अब तक इन बदमाशों का सहयोगी पकडा गया है।

मामले की जांच कर रहे प्रताप नगर थाने के सब इंस्पेक्टर बलवीर खां ने बताया कि 25 जून को ट्रांसपोर्ट नगर में एक युवक पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल डलवाने आया था। यह युवक बिना भुगतान किये वहां से बाइक लेकर भागा, जिसे दो कर्मचारियों ने पीछा कर सुखाडिया स्टेडियम के पास रोका और पंप पर ले आये थे।

जहां उक्त युवक ने फोन पे से 250 रुपये का भुगतान किया था। इसी बात को लेकर बाइक में पेट्रोल डलवाने वाला गोविंद सिंह नामक युवक रात 11 बजे अपने तीन साथियों के साथ दुबारा पंप पर पहुंचा।

जहां ये लोग कर्मचारियों से गाली-गलौच करने लगे। ऐसे में पंप पर मौजूद कर्मचारी देवकिशन गुर्जर ने इन युवकों को गाली-गलौच नहीं करने व सुबह आकर बात करने के लिए कहा तो चार में से एक आरोपित ने देव किशन पर चाकू से हमला कर दिया था। इससे वह घायल हो गया।

देव किशन के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर टेंपो चालक कुलदीप सिंह (20) पुत्र स्व.लक्ष्मण सिंह निवासी वार्ड नं. 21, भवानी मंडी जिला झालावाड, हाल मारूति नगर को रविवार को बापर्दा गिरफ्तार किया था। जांच अधिकारी का कहना है कि कुलदीप, सहयोगी था। पंप से पेट्रोल गोविंद सिंह ने भरवाया था, जबकि चाकू मारने वाला भी उसका एक और साथी था। अब गोविंद सिंह सहित अन्य आरोपितों की तलाश है।

भीलवाड़ा पुलिस ने पेट्रोल पंप पर चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने के मामले में बदमाशों का सहयोगी ही गिरफ्तार किया है।

- मुख्य दो आरोपितों सहित तीन अन्य की तलाश जारी

नशा मुक्ति हेतु प्रेरित किया

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निषेद्य दिवस पर आमजन को नशा मुक्ति हेतु जागरूक करने के लिए मानव श्रंखला बना नशा मुक्ति हेतु प्रेरित किया। प्रांतीय पीआरओ एमजेएफ लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि वैशालीनगर स्थित वीर उद्यान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमे पतंजलि के योग प्रशिक्षक दौलतराम थदानी योग के माध्यम से नशा प्रवर्ति को दूर करने के आसन सिखाये। मुख्य अतिथि डॉ भरत छबलानी नशा मुक्ति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नशे के ज्यादा सेवन से व्यक्तिगत, शारीरिक, आर्थिक हानि तो है ही साथ ही परिवार समाज व देश के लिए घातक है। संभाग 2 की क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन आभा गांधी ने कहा कि युवा पीढ़ी को इस दल दल से बचना चाहिए। नशा छोड़ने का प्रण करे। नशे के खिलाफ जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर लायन गजेंद्र पंचोली, लायन सुनील शर्मा, लायन राजेन्द्र गांधी, अनिता गार्गीया, सुनील जैन, कविता, चेतना, मंजू सोमानी, प्रेमा, रेणु भारद्वाज सहित अन्य क्षेत्रवासी मौजूद थे।

सार-समाचार

रक्त सैनिकों को सम्मान से नवाजा

ब्यावर (निसं)। रक्त सैनिकों की सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान से नवाज़ा गया। रक्तदान प्रणेता ब्लड मैन ऑफ द राजस्थान राजेंद्र माहेश्वरी एवं मुकेश पुरी की प्रेरणा से ग्रामीण व शहरी अंचलों में रक्तदान एवं जनजागृति को समर्पित रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन ब्यावर के रक्त सैनिकों का बीकानेर की पावन धरा पर गणेशम रिसोर्ट में सम्मान किया गया। बीकाणा ब्लड सेवा समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रक्तदाता सम्मान समारोह में रक्त सैनिको को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन के जैकी साहू और चेतन बंजारा ने बिकाना ब्लड सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों द्वारा आयोजित इस अनुकरणीय सेवाओं को समर्पित रक्तदाता सम्मान समारोह के लिए धन्यवाद आभार प्रकट किया ।गौरतलब है की यह सम्मान उन समस्त रक्त सैनिकों का है जो निस्वार्थ भाव से अनजाने पीड़ितों को रक्तदान करने के लिए 24 घंटे रक्तदान करने के लिए समर्पित रहते हैं और नियमित रक्तदान करते हैं ।

अग्निपथ योजना का हुआ विरोध

भीलवाडा, (निसं)। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई अग्निपथ योजना की कई खामियों को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में सोमवार से सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत करते हुए अग्निपथ योजना का पुरजोर तरीके से विरोध शुरू कर दिया है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रामपाल शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार अग्निपथ योजना के तहत देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड कर रही है। पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल डांगी ने कहा कि अग्नीपथ योजना को लेकर समस्त देश के युवा आक्रोशित व आंदोलित है। उन्होंने योजना को लेकर कई खामियां बताई।

मिलावटी खाद्य पदाथ बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो : कलेक्टर

नागौर, (निसं)। जिले में चलाएं जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर खटनावलिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अभियान के दौरान अधिकारी पूर्ण सजगता से कार्य करते हुए नशीली व नकली दवाओं, मिलावटी खाद्य पदार्थो आदि की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। अभियान की समीक्षा करते हुए एडीएम खटनावलिया ने कहा कि जहां कहीं भी बिना बिल के बिक्री हो रही है या बगैर एमआरपी के कोई सामग्री बेची जा रही है तो वहां सघन जांच कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही जिले में बिना लाइसेंस के संचालित दुकानों व बूथों पर प्रभावी कार्रवाई कर जुर्माना लगाना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खाद्य पदार्थो के नमूने लेने, माप-तौल की जांच करने, उत्पादों पर एमआरपी व वजन की जांच करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकरी डॉ. मेहराम महिया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार जांगिड, एलएमओ सुरेश कुमार, रसद विभाग के प्रवर्तन अधिकारी रामजीवन बेनीवाल, किराणा मर्चेन्ट एसोसिएशन के धर्माराम भाटी, पुलिस उपाधीक्षक यातायात भवानीसिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

आयकर सर्वे पर नुक्कड़ नाटक

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। सीए संस्थान की और से सीए डे पर सतीश गुप्ता के नेतृत्व में आयकर सर्वे पर नुक्कड नाटक का मंचन किया गया। अध्यक्ष मोहित जैन ने बताया की नाटक के माध्यम से समझाया गया की आयकर रैड व सर्वे में क्या फर्क होता है। सर्वे घर के बजाय केवल बिजनस की जगह पर हो सकता है। सर्वे बिजनस टाईम में वर्किंग डेज में ही हो सकता है, अधिकारी किसी भी तरह की जब्ती नहीं कर सकता और पुलिस की मदद भी नहीं ली जा सकती है। रेड सभी जगहों पर होती है। सीए जतिन हरजाई जयपुर, सी.एम. अग्रवाल किशनगढ ने कहा की डिपार्टमेंट के अफसर टार्गेट लेकर सर्च के दौरान टैक्स जमा कराने के लिए प्रयास करते हैं तो गलत है। जब तक कोई केस अपील में चल रहा है, उसके निर्णय आने तक पैसे जमा कराना जरूरी नहीं है। इस अवसर पर सीए धर्मेन्द्र कांकाणी, सौरभ अगरवाल, अजय टिंकर, अनिरुद्ध बियानी, जुगल किशोर राठी, रामावतार गुप्ता, लघु उद्योग भारती से दीपक शर्मा, भारत विकास परिषद अध्यक्ष भरत सर्राफ, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से अभिषेक राठी, नंदकिशोर दाधीच, बैंक कर्मचारी रवि राठौर सहित गणमान्य नागरिक सीए, व्यापारी मौजूद रहे। सीए अखिलेश शर्मा ने बताया की सीए डे पर एमआईएस स्कूल में क्रिकेट फाइनल मैच खेला गया, जिसमे इलेवन सुपरस्टार ने फाइनल में जीत दर्ज की।

चोरों ने लाखों के जेवर, नकदी पार किये

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत शेरगढ के ग्राम किशनपुरा में रविवार को मकान की छत पर परिवार सोता रहा और चोरों ने धावा बोलते हुए करीब 20 लाख रुपए के जेवरात सहित नगदी चुरा ले गए। जानकारी के अनुसार किशनपुरा निवासी प्रकाश पुत्र छगनलाल जाट ने मसूदा थाने में रिपोर्ट देते हुए बताया कि रविवार देर रात पूरा परिवार छत के ऊपर सोया हुआ था देर रात विद्युत सप्लाई बंद होने पर चोरों ने मकान के ताले तोड़ते हुए मकान के अंदर घुसकर 13 किलो चांदी के आभूषण, तीन मंगलसूत्र, सोने के 3 रखड़ी, 2 जोड़ी मूरकिया, 2 जोड़ी अंगूठी, दो मादलिया, 2 जोड़ी लूंग, 2 जोड़ी झूमरिया, 1 नथ, पांच मादलिया, 2 जोड़ी टॉपस सहित घर में रखें 157000 रुपए पर चोरों ने हाथ साफ किया। चोरी की वारदात की सुबह उठने पर दरवाजे के ताले टूटे देख परिवार जनों को जगाया और कमरे की तलाशी ली तो चोरी की वारदात का पता चला जिस पर मसूदा थाने में सूचना दी। इस पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मौका मुआयना कर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर तफ्तीश जारी की। गनीमत रही कि घर के अंदर चार बहू के गहने थे घर से दो बहुए अपने पीहर गई हुई थी जिनको वे साथ लेकर चली गई थी जिसके चलते अन्य जेवरात बच गए।

अग्निपथ योजना के खिलाफ सत्याग्रह

नसीराबाद, (निसं)। प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर पूरे राजस्थान में अग्निपथ योजना के विरोध में सत्याग्रह का आयोजन ब्लॉक स्तर पर किया जा रहा है। इसी के तहत कस्बे के तहसील परिसर के बाहर पूर्व विधायक महेंद्र सिंह गुर्जर व पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर के नेतृत्व में श्रीनगर व पीसांगन ब्लॉक के कार्यकर्ताओं ने सत्याग्रह में भाग लिया इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता ने योजना का जमकर विरोध किया। इस मौके पर पूर्व विधायक महेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि मोदी सरकार ने योजना लागू कर युवाओं के साथ विश्वासघात किया और उन्हें यह योजना वापस लेनी पड़ेगी क्योंकि यह देश की सेना के साथ खिलवाड़ है पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर ने कहा कि अग्निपथ योजना के नाम पर युवाओं को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे कृषि कानून वापस लिया था उसी तरह इस योजना को भी केंद्र सरकार को वापस लेना पड़ेगा।

तेज रफ्तार इनोवा कार ने बुलेट बाइक को टक्कर मारी; युवक की मौत, साथी घायल

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही बाइक की टंकी में आग लग गई, जिसमें दोनों वाहन जल गए

जयपुर (कासं)। राजधानी की मोतीडूंगरी रोड पर सोमवार अलसुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। टैक्सी इनोवा कार ने गणेश मंदिर चौराहे पर बुलेट बाइक पर सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर के बाद बाइक की पेट्रोल टंकी में तुरंत आग लग गई। इसके बाद दोनों वाहन धूं-धूं कर जल गए। हादसे में बाइक सवार एक एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथ अस्पताल में जिंदगी-मौत से संघर्ष कर रहा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर युवक का शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू की है।

- **मोतीडूंगरी चौराहे पर सोमवार अलसुबह 3 बजे हुआ हादसा, पुलिस मामले की जांच में जुटी**

जयपुर में मोतीडूंगरी रोड पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुए हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और कार।

पुलिस ने बताया यह हादसा सोमवार अलसुबह 3 बजकर 5 मिनट पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुआ। तेज रफ्तार इनोवा कार तख़्तेशाही रोड की तरफ से आ रही थी, जबकि बुलेट बाइक पर सवार दो एमबीबीएस छात्र जेडीए सर्किल की तरफ से एसएमएस मेडिकल कॉलेज की तरफ जा रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर तेज रफ्तार में इनोवा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के पेट्रोल टैंक में आग लग गई, जिसने इनोवा को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार दोनों युवकों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां सुबह करीब 8 बजे इलाज के दौरान विजय चौधरी (22) पुत्र बाबूलाल चौधरी निवासी साहिबरामपुरा, कालाडेरा की सिर में गंभीर चोट और झुलसने के कारण मौत हो गई। उसका साथी मृगांक राणा (21) पुत्र विकास निवासी भरतपुर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सिर में गंभीर चोट और पैर में फ्रेक्चर हुआ है।

पुलिस के मुताबिक बाइक को टक्कर मारने वाली इनोवा कार राजस्थान टूर एंड ट्रैवल्स कंपनी की है, जो कि रात को अपने स्टाफ को घर छोड़कर आ रही थी। घटना के वक्त कार में 3-4 लोग सवार थे, जो कि स्थानीय लोगों के आने पर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक मृतक विजय चौधरी और घायल मृगांक एसएमएस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे है, जो कि द्वितीय वर्ष के स्टूडेंट है।

बताया जा रहा है वह रात को अपने दोस्तों से मिलकर हॉस्टल लौट रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर हादसा हो गया।

छह दिन बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आई

राज्य में सोमवार को 97 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में छह दिन बाद सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आ गई है। इसके चलते राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि, एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को 13 जिलों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अजमेर में 16, जोधपुर में 12, सिरोही में 8, उदयपुर में 7, बीकानेर में 6 तथा टोंक, नागौर, अलवर, बांसवाड़ा, दौसा, गंगानगर और हनुमानगढ़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।**

प्रदेश में सोमवार को भी रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 75 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 336 मामले जयपुर में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटे में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में सोमवार को सबसे ज्यादा 7 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, बजाज नगर और मोती डूंगरी रोड पर 3-3, दुर्गापुरा, गांधी नगर, जगतपुरा, झोटवाडा, खातीपुरा, सांगानेर और सोडाला में 2-2 तथा आमेर, बापूनगर, सी-स्कीम, चांदपोल, सिविल लाइंस, जवाहर नगर, मानसरोवर, शास्त्री नगर और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 33 रोगी ठीक हुए हैं।

रेलवे पर आठ लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर। रेलवे दावा अधिकरण की जयपुर पीठ ने ट्रेन से गिरने से यात्री की मौत के मामले में रेलवे पर आठ लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। अधिकरण ने उत्तर-पश्चिम रेलवे को कहा है कि वह हर्जाना राशि पर नौ फीसदी ब्याज भी अदा करे। अधिकरण ने यह आदेश तारो देवी व अन्य की क्लेम याचिका पर दिए। क्लेम याचिका में कहा गया कि 20 फरवरी 2018 को टोडरमल ट्रेन से अलवर से खानपुर अहिरान जा रहा था। खानपुर अहिरान स्टेशन से पहले पहुंचकर ट्रेन रुक गई। वह उतरने के लिए जैसे ही कोच के गेट पर आया, ट्रेन झटके के साथ चलने लगी। जिसके चलते टोडरमल का संतुलन बिगड गया और वह नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।

पायलट, गहलोत को कांटे की तरह चुभते हैं : कटारिया

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने पायलट और गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर दिए गए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत को सचिन पायलट एक कांटे की तरह चुभ रहा है। वो चाहते हैं कि किसी भी तरह से इस कांटे को निकालकर बाहर कर दें ताकि निरंकुश राज करने के लिए आगे के रास्ते खुल जाएं। लेकिन पार्टी आलाकमान भी पायलट के पब्लिक सपोर्ट को नकार नहीं सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पायलट को निकम्मा, नकारा जाने क्या-क्या उपाधि दे दी, भड़ास भरी हुई है। शांति धारीवाल तो मुख्यमंत्री के सपोर्ट में ही खड़े हैं। पब्लिक सपोर्ट दृष्टि से गहलोत और धारीवाल में कोई दम नहीं है, लेकिन पायलट में आज भी दम है, जो आज भी कांग्रेस से बहुत बड़े वोटबैंक को जोड़े हुए हैं। कटारिया ने कहा कि पायलट को राजस्थान में एक समाज का बहुत बड़ा सपोर्ट था। जिसकी वजह से सरकार बनी है। पायलट मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं होते तो पूर्वी राजस्थान, जहां हमको एक सीट मिली, यह स्थिति नहीं बनती और हमारी सरकार 100 प्रतिशत बनती।

राज्य में 309 कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ की मदद

जयपुर, (का.सं.)। राजकीय सेवा से संम्बद्ध कोविड मृतक कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि उपलब्ध करवाने के संबंध में सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि दिलवाने के बकाया मामलों में सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

डॉ. पृथ्वी ने कहा कि ये सभी कार्मिक सीधे तौर पर कोविड प्रबंधन से जुड़े हुए थे और उन्होंने लोगों को बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए राजकीय कर्त्तव्य का पालन किया। अब हमारा फर्ज बनता है कि हम उनके आश्रितों को सहायता राशि दिलवायें। उन्होंने कहा कि बकाया प्रकरणों में जहां दस्तावेजों की औपचारिकता बाकी है वहां संबंधित विभाग आगे बढ़कर दस्तावेजों को पूरा करवाये और मृतक के आश्रितों को राहत प्रदान करें। उन्होंने आगामी 10 दिवस में बकाया प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए।

राज्य में कोविड से मृतक 309 कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि अब तक दी जा चुकी है।

राज्य में राजकीय सेवा से सम्बद्ध 309 कोविड से मृतक कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि दिलवायी जा चुकी है। राजकीय सेवा से सम्बद्ध कोविड से मृतक के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये की सहायता राशि सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है।

अगर हम एजबेस्टन में जीते तो यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी : पुजारा

लेस्टर, 27 जून। भारत लगभग एक साल से इतिहास रचने के शिखर पर है। भारत ने पिछले साल सितंबर में पांच मैचों की सीरीज़ में 2-1 की बढ़ त के साथ इंग्लैंड छोड़ दिया था। अब आख़िरकार यह सीरीज़ एक जुलाई से दोबारा एजबेस्टन में शुरू हो रही है और अगर यह आख़िरी मैच भारत के पक्ष में गया तो चेतेश्वर पुजारा को लगता है कि यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी।

लेस्टरशायर के ख़िलाफ़ अभ्यास मैच से इतर पुजारा ने बीसीसीआई वेबसाइट पर कहा किमुझे लगता है कि सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे पास खिलाड़ियों का अच्छा ठ्ठुप है। हमारे पास अच्छे तेज़ गेंदबाज़ हैं। पिछले चार टेस्ट मैचों में जिस तरह से खिलाड़ियों ने अच्छा किया है, मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसा ही प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ी उत्सुक होंगे और अगर हम यह मैच जीतते हैं और इंग्लैंड की सरजमीं पर सीरीज़ जीतते हैं तो मुझे लगता है कि यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी।''

जब यह सीरीज़ कोविड की वजह से रूकी थी तो भारत इसमें आगे था। केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह ने लॉर्ड्स के मैदान पर आख़िरी दिन शानदार जीत दिलाई थी। ओवल में रोहित शर्मा ने दिखाया कि वनडे की आक्रामकता के इतर टेस्ट में उनके पास डिफ़ेंस की मास्टरक्लास है। बुमराह, मोहम्मद शमी के साथ उस दौरान शानदार दिखे तो मोहम्मद सिराज ने दबाव में कमाल का प्रदर्शन किया। लेकिन अब चीज़ें जुदा हैं। ब्रेंडन मैकुलम टीम के कोच बन चुके हैं और कप्तानी बेन स्टोक्स के पास है। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट खेलने की एक आक्रामक शैली को अपनाया है जिसने पहले ही उन्हें इतिहास बनाने में मदद की है।

नए मैनेजमेंट के नेतृत्व में मात्र दूसरे ही मैच में उन्होंने विश्व चैंपियन न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ 50 ओवर में 299 रन बनाकर जीत हासिल की थी। भारतीय खिलाड़ी भी अच्छी लय में हैं लेकिन ज़्यादातर खिलाड़ी टी20 क्रिकेट सीज़न खेलने के बाद आ रहे हैं, जबकि उनकी विरोधी टीम के खिलाड़ी पहले से ही टेस्ट क्रिकेट के रंग में रंग चुके हैं। पुजारा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह हमारे लिए अच्छी चुनौती है। हां हम सीरीज़ में 2-1 से आगे हैं, लेकिन उसी जगह यह इस सीरीज़ का सबसे अहम टेस्ट है। और जैसा कि आपने बताया कि यह बहुत लंबे समय बाद हुआ तो हमें बस दोबारा से एक साथ जुड़ना होगा। हमें बस अपनी ताक़त को समझना होगा। अच्छी बात यह है कि हम यहां पहले ही पहुंच गए हैं। खिलाड़ियों ने यहां पर बहुत तैयारी की है। और हां, अगर हम अपनी ताक़त के साथ खेले, समझे कि एक टीम के तौर पर हमें क्या चाहिए और उन चार टेस्ट में हमें कैसे सफलता मिली तो हम उन चीज़ों को दोहरा सकते हैं। लेकिन इंग्लैंड की टीम में भी कुछ बदलाव हुए हैं। तो हमें उनकी ताक़त को समझने की ज़रूरत है और उसके बाद अपनी रणनीति बनानी होगी। मुझे उम्मीद है कि सहायक स्टाफ़ और प्रबंधन रणनीति के बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन हमें इस अहम टेस्ट के लिए अच्छे से रणनीति बनानी होंगी। 2007 में टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने भारत को इंग्लैंड में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ जिताई थी, लेकिन उसके बाद से ऐसा नहीं हो सका है। 15 साल हो गए हैं और भारत के लिए पुजारा ने टीम से ड्रॉप होने के बाद दोबारा वापसी की है। श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ से उन्हें बाहर कर दिया गया था। 34 वर्षीय बल्लेबाज़ के पास सीमिंग परिस्थितियों में खेलने का अच्छा अनुभव है, जिसका उन्होंने अप्रैल और मई में अच्छा उपयोग किया। काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन टू में ससेक्स के लिए खेलते हुए उन्होंने आठ पारियों में 720 रन जड़ दिए थे। पुजारा से जब उनके गेम प्लान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हम अलग अलग फ़ेज में अच्छी बल्लेबाज़ी करें। आपको पूरे समय अच्छी बल्लेबाज़ी करनी होगी लेकिन आपको गेम के फ़ेज को समझना जरूरी है। ड्यूक गेंद को देखते हुए आपको यह पक्का करना होगा कि जब यह नई हो तो आप कई विकेट नहीं गंवाए। जबकि एक बल्लेबाज़ के तौर पर आप को पुरानी गेंद की तुलना में अधिक सतर्क रहने की ज़रूरत है। कई बार ऐसा समय आएगा जब गेंदबाज़ स्फुर्ती से भरे होंगे और वे अच्छे स्पेल करेंगे। आपको उसे समझने की ज़रूरत है। ऐसे भी समय आएंगे जब आप चौथे गेयर में होंगे, जब आप समझेंगे कि गेंद अच्छा नहीं कर रही है और गेंदबाज़ थके हुए हैं।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया, सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की

लीड्स, 27 जून। जो रूट (86), ओली पोप (82) और जॉनी बेयरस्टो (71) के अर्धशतकों की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को तीसरे टेस्ट में सात विकेट से हराकर सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की।

इस सीरीज़ से पहले इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण सवालों से घिरी हुई थी, लेकिन कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स की अगुवाई में टीम ने 'मेकस्टोक्स एरा' की शुरुआत जीत के साथ करके सभी आलोचकों को शांत कर दिया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप विजेता न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा था और पांचवे दिन सोमवार को इंग्लैंड को 113 रन और बनाने थे। इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 296 रन बनाकर न्यूज़ीलैंड को 3-0 से सफाया कर दिया।

इंग्लिश टीम ने 183/2 से शुरू करते हुए पोप का विकेट जल्दी गंवा दिया। 108 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 82 रन बनाने वाले पोप को टिम साउदी ने बोल्ड किया, लेकिन इसके बाद क्रीज़ पर आये बेयरस्टो की धुंआधार बल्लेबाज़ी की मदद से इंग्लैंड ने आसानी से जीत दर्ज की। अपनी पिछली दो पारियों में शतक (136, 162) लगाने वाले बेयरस्टो ने 43 गेंदें खेलकर नौ चौकों और तीन छक्कों की बदौलत नाबाद 71 रन बनाये। उनके साथ रूट भी 125 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 86 रन पर नाबाद रहे। बेयरस्टो ने माइकल ब्रेसवेल की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारकर मैच समाप्त किया। न्यूज़ीलैंड की ओर से माइकल ब्रेसवेल और टिम साउदी ने एक-एक विकेट लिया।

मैंने हैरी टेक्टर को एक बैट दिया है, ताकि वह और छक्के लगाएं : पांड्या

डबलिन, 27 जून (वार्ता) आयरलैंड के खिलाफ टी20 श्रंखला में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हार्दिक पांड्या ने आयरिश बल्लेबाज हैरी टेक्टर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन्हें आईपीएल में देखना चाहते हैं। 22 वर्षीय टेक्टर ने भारत के खिलाफ रविवार को खेले गये वर्षाबाधित पहले टी20 में 33 गेंद पर नाबाद 64 रन बनाकर आयरलैंड को 12 ओवर में 108 रन तक पहुंचाया, हालांकि भारत ने यह लक्ष्य 9.2 ओवर में ही हासिल कर लिया।

पांड्या ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में टेक्टर की जमकर तारीफ़ की और कहा कि वह उन्हें भविष्य में आईपीएल में देखना चाहते हैं। पांड्या ने कहा कि उन्होंने कई शानदार शॉट खेले। वह सिर्फ 22 साल के हैं। मैंने उन्हें एक बल्ला भेंट किया है, ताकि वह कुछ और छक्के लगाएं और शायद एक आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट भी हासिल करें। उनके साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। इससे पहले टेक्टर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में भी अपने शानदार प्रदर्शन से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच चुके हैं। न्यूज़ीलैंड में हुए इस आयोजन में टेक्टर आयरलैंड के दूसरे सर्वाधिक रन-स्कोरर रहे थे, और उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 101 रन की शतकीय पारी भी खेली थी। पांड्या ने कहा कि टेक्टर को सही मार्गदर्शन की जरूरत है।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने जीत के साथ शुरुआत की:-कप्तान हार्दिक पांड्या (एक विकेट और 24 रन) के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को पहले टी20 मैच में आयरलैंड को सात विकेट से शिकस्त दी। बारिश के कारण मैच देर से शुरू हुआ और आयरलैंड ने भारत के सामने 12 ओवर में 109 रन का लक्ष्य रखा, जिसे भारत ने 9.2 ओवर में ही प्राप्त कर लिया।

भारत के लिए पहली बार पारी की शुरुआत कर रहे दीपक हुड्डा ने सर्वाधिक 47 रन बनाए।। हुड्डा ने 29 गेंदों की अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने 11 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के लगाकर 26 रन की पारी खेली। पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए पहले आयरलैंड का एक विकेट चटकाया और फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए 12 गेंदों पर एक चौके और तीन छक्कों की बदौलत 24 रन बनाए। आयरलैंड की ओर से क्रेग यंग ने दो ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि जोशुआ लिटल ने 2.2 ओवर में एक विकेट लेकर 39 रन दे दिए।

इससे पहले आयरलैंड ने हैरी टेक्टर (33 गेंदों पर 64 रन) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत के सामने 109 रन का लक्ष्य रखा था। भारत ने टॉस जीतकर आयरलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया और 22 रन पर ही आयरलैंड के तीन विकेट गिरा दिए।

रोच के 250 टेस्ट विकेट, विंडीज जीत के करीब

सेंट लूसिया, 27 जून। वेस्ट इंडीज़ ने काइल मेयर्स (146) और क्रेग ब्रेथवेट (51) की बदौलत बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में रविवार को 408 रन बनाकर 174 रन की बढ़त हासिल की। बांग्लादेश तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 132 रन पर छह विकेट गंवाकर लगातार दूसरी हार के करीब है।

तीसरे दिन वेस्ट इंडीज की पारी को 340/5 से आगे बढ़ाते हुए वेस्ट इंडीज़ ने अपने अंतिम पांच विकेट 64 रन के अंदर खो दिये। 344 रन पर छठे विकेट के रूप में विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा (29) के आउट होने के बाद खालिद अहमद और शोरिफुल इस्लाम ने दो-दो विकेट लेकर वेस्ट इंडीज की पारी को 408 रन पर रोक दिया। 172 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश सलामी बल्लेबाजों को केमार रोच ने सस्ते में पवेलियन लौटाया और अपने 250 विकेट भी पूरे किये। रोच के 250वें विकेट तमीम इकबाल ने आठ गेंदों पर चार रन बनाये जबकि महमूदुल हसन जॉय ने 21 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 12 रन जोड़े। इसके बाद रोच ने अनामुल हक को भी चार रन पर चलता किया और बांग्लादेश ने 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके अलावा लिटन दास ने 19 और शाकिब अल हसन ने 16 रन बनाये। बांग्लादेश के लिये नजमुल हुसैन शंटो ने सर्वाधिक 42 रन की पारी खेली। 92 गेंदों की अपनी पारी में नजमुल ने आठ चौके लगाये। दिन का खेल खत्म होने तक विकेटकीपर नूरुल हसन 16 रन बनाकर क्रीज़ पर मौजूद हैं जबकि उनके साथी मेहदी हसन शून्य पर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड की वनडे और टी20 की कप्तानी छोड़ सकते हैं मॉर्गन

लंदन, 27 जून। इयोन मॉर्गन साढ़े सात साल के कार्यभार के बाद मंगलवार को इंग्लैंड के सीमित ओवरों की कप्तानी छोड़ सकते हैं। मॉर्गन को 2014 में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में इंग्लैंड के दृष्टिकोण को बदलने में नेतृत्व किया।

मॉर्गन ने वनडे टीम में बदलाव किया और इंग्लैंड को 2019 में पहला विश्व कप ख़िताब जिताया, लेकिन उनकी फ़ॉर्म और फ़िटनेस ने उन्हें अपने भविष्य पर विचार करने मजबूर कर दिया है। दाहिने पैर की मांसपेशियों में नियमित चोट के कारण वह इस साल लगातार मैच नहीं खेल पाए हैं। नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ तीसरे वनडे में चोट की वजह से मॉर्गन नहीं खेल पाए जबकि सीरीज़ के पहले दो मैचों में वह शून्य पर आउट हुए थे। द गार्डियन ने बताया कि मॉर्गन अपने भविष्य पर विचार कर रहे हैं और वह मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के लिए तैयार हैं। मॉर्गन की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभालने वाले जॉस बटलर को उनकी जगह कप्तान बनाया जा सकता है।

इससे पहले मोईन अली ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल पर कहा था कि वह महसूस कर रहे हैं कि वह अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल सकते हैं। हालांकि वह अभी भी टीम को पहले रखते हैं, जो दिखाता है कि वह कितने निःस्वार्थ हैं। उन्होंने असाधारण काम किया है और वह हमारे लिए अब तक के सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने अद्भुत काम किया है और वह जानते हैं कि जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इस समय उनके बिना टीम की कल्पना भी करना अजीब है। ज़ाहिर है चीज़ें बदलती हैं और आपको इसकी आदत हो जाती है, लेकिन यह निश्चित रूप से यह दुःख की बात है। मॉर्गन ने 2019 और 2020 में अपने करियर के कुछ बेहतरीन फ़ॉर्म का आनंद लिया, लेकिन पिछले 18 महीनों में वह कुछ ख़ास नही कर सके हैं। उन्होंने 2021 की शुरुआत से सीमित ओवरों के क्रिकेट की 48 पारियों में सिर्फ़ एक अर्धशतक बनाया है। नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ हालिया सीरीज़ में वह एक भी रन बनाने में विफल रहे। यह देखा जाना है कि क्या मॉर्गन सभी प्रकार के क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे या फिर फ़्रैंचाइज़ी लीग में खेलना जारी रखेंगे। मोईन ने कई मौक़ों पर मॉर्गन की अनुपस्थिति में कप्तानी भी की है, लेकिन उन्होंने बटलर को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि बडत्री बात यह है कि जॉस पहले कप्तानी कर चुका है। ज़ाहिर है जब मॉर्गन नहीं खेलता है और उस मैच में जॉस खेल रहा होता है तो वह कप्तान होता है।

करीब एक हजार साल पहले एक सम्प्रदाय हुआ करता था शिंगोन, जिसमें बौद्ध धर्म, प्राचीन शिंटो, ताओवाद व अन्य धर्मों के मिले-जुले नियमों का पालन होता था। शिंगोन मत ने एक भयावह और डरावनी प्रक्रिया विकसित की थी, जिसके तहत जीवित शरीर की ममी बना दी जाती थी। इसका लक्ष्य धार्मिक अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करना था। इस प्रैक्टिस को सोकूशिनबुत्सू कहा जाता था और जापान के एक भिक्षुक कुकाई ने इसे शुरु किया था। इसमें कई वर्ष्णों की क्रूर प्रक्रिया से शरीर को सुखाया जाता था, जिसका अंतिम नतीजा मौत होती थी, जिसके बाद शरीर प्रिज़र्व हो जाता था। अपने ही शरीर को ममी बनाने की प्रक्रिया बहुत दर्दनाक और क्रूर होती थी। पहले हजार दिन तक तो भिक्षुक सिर्फ नट्स, बीज, फल और बैरीज़ खाते थे और बहुत कड़ा शारीरिक श्रम करते थे जिससे शरीर की सारी वसा खत्म हो जाए। दूसरा चरण भी एक हजार दिन का होता था, इस अवधि में वे सिर्फ पेड़ की छाल व जड़ें ही खाते थे। इस अवधि के बाद उरुशी वृक्ष के सत से बनी विष्णैली चाय पीते थे जिससे उल्टी आती थी और शरीर का पानी निकलने लगता था। यह चाय प्रिज़र्वेटिव की तरह भी काम करती थी तथा उन कीटों और बैक्टीरिया को नष्ट करती थी जिनकी वजह से मृत्यु के बाद शरीर सड़ने लगता है। छः साल की यातना के बाद अंतिम चरण में भिक्षुक खुद को पत्थर के एक मकबरे में बंदकर लेते थे जो उनके शरीर से थोड़ा सा ही बड़ा होता था। यहाँ पर वो पद्मासन में ध्यान मुद्रा में बैठ जाते थे तथा मृत्यु आने तक ऐसे ही बैठे रहते थे। एक छोटी नली से मकबरे में ऑक्सीजन दी जाती थी। मकबरे के अंदर से भिक्षुक रोज घंटी बजाता था ताकि बाहरी दुनिया को पता लगे कि वह जिंदा है। जब घंटी बजनी बंद हो जाती थी तो मान लिया जाता था कि वह मर गया है, इसके बाद नली हटा ली जाती थी और मकबरा सील कर दिया जाता था। एक हजार दिन बाद मकबरा खोला जाता था, तब तक भिक्षुक खुद को ममी बना चुका होता था। अगर शव संरक्षित स्थिति में मिलता था तो उस भिक्षुक को बुद्ध का दर्जा मिल जाता था। उसके शव को मकबरे से निकालकर मंदिर में स्थापित किया जाता था जहां उसकी पूजा होती थी। यह परम्परा उन्नीसवीं सदी तक चलती रही, बाद में जापान की सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया। माना जाता है कि, सैंकड़ों भिक्षुकों ने इस प्रक्रिया को अपनाया लेकिन केवल 28 ही अपने शव को ममी में बदल पाए। इनमें से कुछ जापान के मंदिरों में स्थापित हैं।

राष्ट्रपति बाइडन प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाने को बेताब दिखे

जी-7 समिट में फोटो सैशन से पहले राष्ट्रपति बाइडन दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आये और उन्हें अपना अहसास कराने के लिए प्र.मंत्री मोदी के कंधे पर हाथ रखा

नई दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री मोदी जर्मनी में जी-7 की शिखर बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं, जी-7 के तमाम नेताओं के बीच बैठकों एवं मुलाकातों का दौर चल रहा है।

इस दौरान ग्रुप फोटो सैशन के बाद का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि ग्रुप फोटो से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पीछे की तरफ से खुद चलकर या थोडा सा दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आते हैं और उनका अभिवादन करते हैं। वीडियो को देखकर ऐसा लग रहा है कि, प्र.मंत्री मोदी को पुकारने के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने अपना एहसास दिलाने के लिए प्र.मंत्री मोदी के कंधे पर दौड़कर हाथ रखा।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की। गौरतलब है कि, जिस अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात करने के लिए दुनियाभर के मुल्कों के राष्ट्राध्यक्ष महीनों का इंतजार करते हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाने खुद दौड़े आएं।

वीडियो में दिख रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जब कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात कर रहे थे, इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन उनसे मिलने के लिए खुद चलकर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कंधे पर पीछे से हाथ रखकर अपनी मौजूदगी का अहसास कराया, जिसके बाद दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर गर्मजोशी से एक दूसरे का अभिवादन किया। मोदी-बाइडन मुलाकात के इस वीडियो की जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि, यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रतीक है।

- **इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर राष्ट्रपति बाइडन की बेताबी देखी जा सकती है।**
- **मोदी-बाइडन मुलाकात के इस वीडियो की जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि, यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रतीक है।**
- **प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।'' प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो के साथ एक कैप्शन भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, ''विश्व नेताओं के साथ जी -7 शिखर सम्मेलन में।''**

भारत ने रूस-यूक्रेन संकट, कोविड महामारी और दूसरे मसलों में जैसी कूटनीति की है, उसका अमेरिका भी कायल है। यही कारण है कि जो बाइडन प्रधानमंत्री मोदी को इतना महत्व देते नजर आ रहे हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान जब पूरी दुनिया अलग-अलग ध्रुवों की तरफ खुलकर आ रही थी, उस दौरान भारत ने संतुलन को बनाए रखा। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस से भारी मात्रा में तेल आयात किया और अमेरिका को भी इससे कोई परेशानी नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां जी-7 शिखर सम्मेलन स्थल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से भी मुलाकात की। समूह फोटो खिंचवाने से पहले इन नेताओं के बीच बातचीत हुई।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने दक्षिणी जर्मनी में शिखर सम्मेलन में उनका स्वागत किया। समूह फोटो के लिए कनाडा के अपने समकक्ष ट्रूडो के बगल में खड़े प्रधानमंत्री मोदी को भी कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करते देखा गया। दोनों नेताओं का आज शाम को द्विपक्षीय बैठक करने का कार्यक्रम है।

मोदी और मैक्रों आपस में गले मिले और समूह फोटो के बाद बातचीत की। जैसे ही जी-7 के नेता शिखर सम्मेलन स्थल के अंदर गए, दोनों नेताओं ने अपनी चर्चा जारी रखी और एक साथ अंदर चले गए।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।'' प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो के साथ एक कैप्शन भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, ''विश्व नेताओं के साथ जी -7 शिखर सम्मेलन में।''

बेनीवाल की हुंकार रैली में झलकी आगामी विधानसभा चुनाव की आहट

हनुमान बेनीवाल ने जोधपुर के रावण का चबूतरा स्थल से अग्निपथ के विरोध में हुंकार रैली की

- **दूसरी तरफ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कई मुद्दों पर घेरा। हुंकार रैली में आगामी विधानसभा चुनाव की आहट नजर आई। बेनीवाल ने जोधपुर में सैंकड़ों की तादाद में अग्निवीरों को संबोधित किया, लगा कि रालोपा बड़ी शक्ति बन कर उभर सकती है।**

जोधपुर, 27 जून (कासं)। नागौर सांसद एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) के संयोजक हनुमान बेनिवाल ने आज जोधपुर के रावण का चबूतरा स्थल से केंद्र की अग्निपथ योजना का एक तरफ हुंकार रैली के रूप में विरोध किया तो दूसरी तरफ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कई मुद्दों पर घेरा। इस हुंकार रैली में आगामी विधान सभा चुनाव की आहट नजर आई। इससे लगा कि, रालोपा कोई बड़ी शक्ति बनकर उभर सकती है। जोधपुर में सैकड़ों की तादाद में जुटे युवाओं को वे संबोधित कर रहे थे।

अग्निपथ स्कीम के विरोध में सोमवार को राजस्थान में कांग्रेस ने सत्याग्रह विरोध-प्रदर्शन किया तो जोधपुर में नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आरएलपी संयोजक हनुमान बेनीवाल ने युवा हुंकार रैली का आयोजन किया। यहां के चबूतरा मैदान में कई जिलों से बड़ी तादाद में युवा शामिल हुए। उन्होंने युवा हुंकार महारैली में राज्य व केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, अग्निपथ योजना युवाओं के हित में नहीं है। टीओडी की इस स्कीम यानी टूर ऑन ड्यूटी ने सेना को पर्यटन बना दिया है। सेना को ठेके पर दे दिया। सेना टूर के लिए नहीं है। अकेला हनुमान बेनीवाल भाजपा के पक्ष में तीन रैली करके गया और वैभव हार गया। यह मोदी लहर नहीं थी। भाजपा वैंटिलेटर पर थी और जनता ने उसे बाहर निकाल दिया था। जब जीत कर दिल्ली पहुंचा और देखा कि वहां किसानों के हित की बात नहीं हो रही, तो भाजपा से मैंने किनारा कर लिया। जब मैंने पार्टी छोडी, तब लोगों ने कहा कि पार्टी छोड़कर सड़क पर क्यों जा रहे हो। तब मैंने कहा- मेरे पिताजी 1977 में विधायक थे। मुझे जनता ने सांसद बनाया है, पार्टी ने नहीं।

बेनीवाल बोले- मोदीजी जब चाहे गोल कर देते हैं। राहुल-सोनिया के पीछे ईडी को लगा दिया। वे परेशान होकर इटली चले जाएंगे। यूक्रेन ने अपनी इज्जत आबरु बचाने के लिए रूस से टक्कर ली। रूस कब्जा छुड़ाने के लिए यूक्रेन पर हमला कर रहा है। लेकिन हमारा देश पाकिस्तान से कब्जा हटाने के लिए कोई हमला नहीं करता।

बेनीवाल ने कहा- गहलोत के भाई के घर ईडी की रेड हुई तो दिल्ली छोड़कर आ गए। वे कहते हैं कि केंद्र ईडी का दुरुपयोग कर रहा है। कांग्रेस ने भी ईडी का दुरुपयोग किया था। जिसको मौका मिलता है, वह चौका मारता है। मैं भी मारूंगा, लेकिन किसान हित के लिए। महंगाई के खिलाफ। रैली में बेनीवाल का भाषण शुरू होते ही लाइट चली गई। युवा हल्ला मचाने लगे। बोतलें उछालने लगे। कुछ देर के लिए लगा कि व्यवस्था बिगड़ रही है। फिर बेनीवाल ने डपटकर युवाओं को शांत कराया।

पिता की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि चूँकि उन्होंने अपनी पहली प्रार्थना वापस ली है, इसलिए जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय को उनकी दूसरी प्रार्थना पर विचार करना चाहिए। क्योंकि उनके बेटे को आतंकवादी करार दिया गया था, इसलिए पुलिस ऐसे व्यक्ति के शरीर को नहीं सौंपती है और खुद ही दफनाती है।

'राजस्थान की राजनीति में पायलट ने ज़हर पिया है, महादेव ने ज़हर पिया था, उनका सावन में अभिषेक होता है'

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम के इस बयान को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है

- **आचार्य प्रमोद कृष्णम प्रियंका गांधी के नज़दीकी माने जाते हैं।**

जयपुर, 27 जून (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मंत्री शांति धारीवाल की ओर से किए गए हमले के बाद प्रियंका गांधी के नजदीकी कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने कहा है कि, पायलट ने सियासी जहर पीया है और जहर पीने वाले का सावन में अभिषेक होगा। उनके इस बयान के मुख्यमंत्री गहलोत सहित अन्य नेताओं द्वारा दिए गए बयान से जोड़कर कई मायने निकाले जा रहे हैं। कुछ लोग तो यह भी कह हरे हैं कि आने वाले एक-दो महीने में राजस्थान में राजनीतिक परिस्थितियां बिल्कुल बदल सकती हैं।

प्रियंका गांधी के नजदीकी और सचिन समर्थक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इशारों में पायलट को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने का दावा किया है। आचार्य प्रमोद ने कहा कि, राजस्थान की राजनीति में सचिन पायलट ने जहर पीया है। महादेव ने जहर पीया था, उनका सावन में अभिषेक होता है। सावन आ रहा है, तो सियासी जहर पीने वाले का भी अभिषेक होगा।

आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ ही पायलट समर्थक कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर ने इशारों में सीएम पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया- जमीन पर बैठा हुआ आदमी कभी नहीं गिरता, फ़िक्र उनको है, जो हवा में है। इसे गहलोत के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अग्निपथ भर्ती में 94 हजार आवेदन

नई दिल्ली, 27 जून (वार्ता)। सेनाओं में जवानों की भर्ती की नयी योजना अग्निपथ के देशव्यापी विरोध के बीच वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए तीन दिन में करीब 57 हजार युवाओं ने आवेदन किया है।

वायु सेना ने 24 जून को भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। वायु सेना के अनुसार 27 जून तक यानी चार दिन में कुल 94 हजार युवा भर्ती के लिए पंजीकरण कर चुके थे। इसमें सोमवार का आंकड़ा नहीं जोड़ा गया है। वायु सेना का कहना है कि युवाओं में भर्ती के लिए जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि आवेदन करने वालों की संख्या बहुत अधिक होगी। वायु सेना ने कहा है कि वह इस भर्ती के दौरान 3000 अग्निवीरों की भर्ती करेगी।

- **भर्ती के आवेदन की प्रक्रिया शुरु हुये अभी मात्र चार दिन ही हुये हैं।**

पात्रा चॉल जमीन घोटाले में संजय राउत को ई.डी. ने समन जारी किया

संजय राउत ने कहा कि, बदले की भावना से मुझ पर कीचड़ उछालने के लिए देवेंद्र फडणवीस ने ऐसा करवाया है

- **संजय राउत को मंगलवार को सुबह 11 बजे ई.डी के कार्यालय में बुलाया गया है।**

मुंबई, 27 जून (वार्ता)। महाराष्ट्र में शिवसेना के प्रवक्ता एवं सांसद संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने पूछताछ के लिए समन जारी किया है। उन्हें मंगलवार को अपराह्न 11 बजे एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया है।

राज्य में राजनैतिक उथल-पुथल के बीच राउत ने सोमवार को स्वयं ट्विटर पर कहा, मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि मुझे ई.डी. ने बुलाया है।

उन्होंने लिखा, अच्छा है! महाराष्ट्र में बड़ी-बड़ी घटनाएं हो रही हैं। हम बालासाहेब के शिवसैनिक हैं और एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मुझे रोकने की एक साजिश है। यदि मेरा सर धड़ से अलग भी कर दिया जाए तो भी मैं गुवाहाटी का रास्ता (बागी विधायकों का) नहीं पकडुंगा। मुझे गिरफ्तार कर लें! जय हिंद।

उल्लेखनीय है कि अपराधिक कमायी के शोधन मामलों की जांच करने वाली एजेंसी ई.डी. ने धन शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत जांच के सिलसिले में राउत की पत्नी वर्षा राउत और उनके दो सहयोगियों की अप्रैल में 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया था। संजय राउत ने प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) की ओर से जारी समन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को जिम्मेदार ठहराया है।

राउत को ई.डी. ने पूछताछ के लिए समन जारी किया है। उन्हें मंगलवार को अपराह्न 11 बजे एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया है। राज्य में राजनैतिक उथल-पुथल के बीच राउत ने सोमवार को ट्विटर पर कहा, मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि मुझे ई.डी. ने बुलाया है।

उल्लेखनीय है कि अपराधिक कमायी के शोधन मामलों की जांच करने वाली एजेंसी ई.डी. ने धन शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत जांच के सिलसिले में राउत की पत्नी वर्षा राउत और उनके दो सहयोगियों की अप्रैल में 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया था। राउत ने कहा कि ईडी बेवजह परेशान कर रही है।

चर्च...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंध में करीब 57 केस दर्ज किए गए। बैंच ने कहा कि ''आप जो बता रहे हैं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और यदि यह सच है तो हम इस केस की सुनवाई ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद प्रथम दिन से ही करेंगे।'' याचिका में यह भी मांग की गई कि शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में जो निर्देश जारी किए थे, उन्हें लागू किया जाए। उसने अपने निर्देश में कहा था कि घृणास्पद अपराधों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए।

'अम्बानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वह दखलंदाज व अनाधिकार प्रदेश करने वाला है हालांकि उनका दावा है कि वह सोशल एक्टिविस्ट हैं। यह याचिका राजनीति से प्रेरित, सारहीन और मिथ्या है। केन्द्र की तरफ से अपील करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अम्बानी को सुरक्षा दिए जाने का त्रिपुरा से कोई लेन देन नहीं है और त्रिपुरा हाई कोर्ट को यह याचिका स्वीकार करने का न्यायाधिकार नहीं है।

विपक्ष के राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में अपना पर्चा भरा, उस समय विपक्ष के अन्य नेताओं के साथ, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी, जम्मू-कश्मीर की नैशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, आर.एल.डी. के जयन्त चौधरी, सी.पी.आई. (एम.) के सीताराम येचुरी, डी.एम.के. के ए. राजा, सी.पी.आई. के डी. राजा तथा तेलंगाना के मंत्री एवं टी.आर.एस. के नेता के.टी. रामाराव संसद भवन में मौजूद थे।

बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि इस सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिये सिन्हा की उम्मीदवारी के समर्थन में सारा विपक्ष एकजुट है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती, रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचन्द्र तथा इंडियन मुस्लिम लीग के मोहम्मद बशीर भी मौजूद थे।

लेकिन दो प्रमुख दलों-आम आदमी पार्टी तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा-ये नामांकन के समय अपने प्रतिनिधि नहीं भेजे। शिव सेना के प्रतिनिधि भी मौजूद नहीं थे क्योंकि वह इस समय अपने अंदरूनी संकटों से जूझ रही है।

दो गैर भाजपा पार्टियाँ-मायावती की बसपा तथा ओडिशा की बीजेडी ने इस चुनाव के लिये आदिवासी प्रत्याशी मुर्मू का समर्थन कर दिया है। यदि वे निर्वाचित हो जाती है तो दौपद्री मुर्मू भारत की प्रथम आदिवासी राष्ट्रपति होंगी।

सिन्हा ने नामांकन प्रपत्रों के 4 सैट राज्यसभा के महासचिव पी सी मोडी को सौंप दिया, जो राष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर हैं।

पूर्व नौकरशाह तथा उसके बाद, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे सिन्हा को अनेक विपक्षी नेताओं की मीटिंग में 21 जून को राष्ट्रपति चुनाव के लिये विपक्ष का संयुक्त प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया गया था।

अंतिम क्षणों में सिन्हा को और मजबूत करते हुये, के चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस. ने आज सुबह उन्हें अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी, जबकि पहले उसे उनके चयन के तरीके तथा अपनी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ मंच साझा पर ऐतराज था।

नम्बरों का गणित सिन्हा के पूरी तरह से खिलाफ है और नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस की दौपद्री मुर्मू के जीतने की संभावना सर्वाधिक है। लेकिन आज विपक्ष ने जो ताकत दिखा उसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि विपक्ष भाजपा के खिलाफ एकजुटता दिखाने का प्रयास कर रहा है।

सिन्हा ने कहा कि ''रबर स्टाम्प'' राष्ट्रपति नहीं चलेगा और अगर मूर्मू बयाज वे चुने जाते हैं तो वे तो वे ''ज्यादा संवैधानिक'' प्रमुख बने थे। उन्होंने कहा कि मुर्मू से निजी लड़ाई नहीं है यह लड़ाई तो भारत के संविधान को बचाने की है।

उन्होंने कहा कि वे अपने पुराने भाजपा मित्रों से भी समर्थन के लिए संपर्क करेंगे। उन्होंने कहा, कि पुरानी भाजपा में वे आंतरिक लोकतंत्र का अंग थे। वर्तमान भाजपा में इसका अभाव है।

सत्तारूढ़ पार्टी के पास इलैक्टोरल कोलाज के 49 प्रतिशत वोट है और राष्ट्रपति को जीतने के लिए 50 प्रतिशत वोट चाहिए। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 29 जून है और चुनाव 18 जुलाई को होगा।

शिंदे सेना को रिलीफ मिली सुप्रीम कोर्ट ...

'उन्होंने पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे शिन्दे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही गुट द्वारा उनके खिलाफ पेश किये गये अविश्वास प्रस्ताव पर अपना विस्तृत शपथ-पत्र पेश करें।

जब स्पीकर ने, विद्रोही गुट द्वारा उन्हें हटाये जाने के प्रस्ताव की प्रामाणिकता तथा वैधता पर सवाल खड़े किये, तो सर्वोच्च न्यायालय ने एक दिशा निर्देश जारी किया। शिन्दे गुट ने संविधान ने अनुच्छेद 179 तथा महाराष्ट्र विधानसभा नियमों के नियम 11 के तहत उन्हें हटाये जाने के लिये 22 जून को एक नोटिस भेजा था।

जब डिप्टी स्पीकर के वरिष्ठ वकील राजीव धवन बैंच को बताया कि डिप्टी स्पीकर को हटाये जाने के प्रस्ताव की प्रामाणिकता इसलिये स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि यह ई-मेल द्वारा भेजा गया था, तो अदालत ने डिप्टी स्पीकर कार्यालय का सारा रिकॉर्ड माँग लिया।

यह पूछे जाने पर विद्रोही गुट ने बम्बई उच्च न्यायालय में याचिकायें दायर क्यों नहीं की तो शिन्दे के वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल ने अदालत से कहा कि अगर विद्रोही विधायक मुम्बई में कदम भी रखते, तो उन्हें अपनी जान का खतरा हो सकता था। उन्होंने कहा, ''अल्पमत में आ चुका शिवसेना विधायक दल राज्य-तन्त्र को समाप्त करते हुये, हमारे घरों पर हमले कर रहा है। वे कह रहे है। कि असम में हमारी लाशें ही वापस आयेंगी। मुम्बई का माहौल ऐसा नहीं रहा कि हम वहाँ अपने अधिकारों के न्यायिक कार्यवाही कर सकें।''

महाराष्ट्र सरकार के वकील द्वारा 39 विद्रोही विधायकों के बारे दिये गये बयान को रिकॉर्ड पर ले लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस सम्बन्ध में यथेष्ट कदम उठाये जा चुके हैं तथा राज्य सरकार और सुनिश्चित कर देगी कि इन विधायकों की जान, स्वतन्त्रता एवं सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुँच।

कौल ने जोर देते हुये कहा कि डिप्टी स्पीकर ऐसी स्थिति में विधायकों की डिसक्वालिफिकेशन की कार्यवाही करने के लिये समक्ष नहीं हैं, जब उन्हें खुद को हटाये जाने की याचिका विचाराधीन है। उन्होंने कहा 39 विधायक सेना के अल्पमत वाले गुट के खिलाफ एकजुट हैं।

कौल ने धवन के बयान को अदालत द्वारा रिकॉर्ड किये जाने की जरूरत बताई, लेकिन अभिषेक मनु सिंघवी ने यह कहते हुये आपत्ति जताई कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कौल की बार-बार दोहराई जा रही इस माँग के बीच कहा ''मैं यह कहने की अनुमति चाहता हूँ कि ऐसा कोई आदेश नहीं है जिसमें कार्यवाहियों पर ''स्टे'' दिया गया हो। ऐसा कोई ऑर्डर पारित नहीं किया जा सकता डिसक्वालिफिकेशन के सम्बन्ध में दसवीं अनुसूची के पैरा 6 पर जरा नजर डालिये।''

उन्होंने इस पर आपत्ति जताई कि यह याचिका विचारणीय नहीं है। कामत ने कहा, व सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक विधायक केस में, उच्च न्यायालय न जाकर, सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने से सम्बन्धित वादियों के प्रयास का समर्थक नहीं किया था। इसके अलावा, केवल अविश्वास प्रस्ताव के भूत के कारण, विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का प्रश्न ही नहीं है। विधानसभा वो नियम इसकी अनुमति नहीं देते। मुख्यमंत्री में अविश्वास व्यक्त करने के लिये, कोई कारण नहीं दिया गया है।

लेकिन जहाँ तक स्पीकर का प्रश्न है, अनुच्छेद 179 के तहत, उन्हें हटाये जाने के कारण दिये जाना जरूरी है। सदस्यों के केवल यह कहने से काम नहीं चल सकता कि उन्हे विश्वास नहीं है। यह आरोप लगाये जाने ही हो सकता है।''

उन्होंने दलील दी कि सर्वोच्च न्यायालय उन मामलों में दखल नहीं दे सकता, जो स्पीकर के समक्ष विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि इस समय डिप्टी स्पीकर ही स्पीकर की भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि स्पीकर का पद खाली है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908